दैनिक

छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026 website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 332 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 डाक- शनिवार 27 दिसंबर 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी पर बड़ा हादसा, रेस्क्यू मिशन पर गया हेलीकॉप्टर क्रैश, 5 की दर्दनाक मौत

किलिमंजारो , 26 दिसम्बर (एजेंसी)। अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर बुधवार शाम एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हो गया। यह हेलीकॉप्टर मेडिकल इवैक्यूएशन मिशन पर था और पर्वत पर फंसे बीमार पर्यटकों को बचाने के लिए उड़ान भरी थी। हादसे में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो विदेशी पर्यटक, एक स्थानीय गाइड, एक डॉक्टर और पायलट शामिल हैं। यह दुर्घटना किलिमंजारो के लोकप्रिय क्लाइंबिंग रूट पर हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हेलीकॉप्टर बाराफू कैंप और किबो समिट के बीच लगभग 4,000 से 4,700 मीटर की ऊंचाई पर क्रैश हो गया। हादसा बाराफू वैली के पास हुआ जो पर्वतारोहियों के लिए एक अहम पड़ाव माना जाता है।

भारत की सैन्य धार बढ़ेगी: फाइटर जेट से लेकर परमाणु पनडुब्बी तक, 'मेक इन इंडिया' हथियारों की बड़ी खेप होगी शामिल

कौन-कौन से हथियार होंगे शामिल?

विशेषज्ञों के अनुसार 2026 में जिन प्रमुख प्लेटफॉर्म्स के सेवा में आने की संभावना है, उनमें—

* लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) Mk-vA
* न्यूक्लियर-पावर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन अरिदमन
* प्रोजेक्ट 17ए के स्टेल्थ फ्रिगेट
* भारत में निर्मित सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट
* आकाश नेक्स्ट-जेनरेशन सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम
* इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस के लिए उन्नत ड्रोन

नई दिल्ली ,26 दिसंबर (एजेंसी)। आने वाला साल भारतीय सेना की ताकत के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। 2026 में थल सेना, वायुसेना और नौसेना को एक से बढ़कर एक आधुनिक और घातक हथियार व सिस्टम मिलने वाले हैं, जो देश की रक्षा क्षमताओं को नई ऊंचाई देंगे। 'मेक इन इंडिया' की गूंज अब सीमाओं पर साफ सुनाई देगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल फाइटर जेट्स से लेकर परमाणु पनडुब्बी तक, हथियारों और प्लेटफॉर्म्स का एक बड़ा जखीरा भारतीय सशस्त्र बलों के बेड़े में शामिल होगा। इससे भारत की रणनीतिक बढ़त और अधिक मजबूत होगी। भारतीय सेना पहले ही ऑपरेशन सिंदूर में अपनी ताकत का लोहा मनवा चुकी है। हालांकि, पड़ोसियों की गतिविधियों को देखते हुए भविष्य की जंग के लिए तैयारियां और तेज की जा रही हैं। इसी कड़ी में फाइटर जेट्स, युद्धपोत, देसी न्यूक्लियर-पावर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन, स्वदेशी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और अत्याधुनिक मिसाइल सिस्टम शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है।

इन प्रणालियों के शामिल होने से भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता, निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया शक्ति में बड़ा इजाफा होगा, जिससे किसी भी चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी और मजबूत होगी।

जयपुर में मस्जिद के बाहर से पत्थर हटाने को लेकर हुआ विवाद, पुलिस टीम पर किया पथराव, इंटरनेट सेवा बंद

जयपुर ,26 दिसंबर (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में पथराव की घटना सामने आई है। राजधानी के चौमूं इलाके में मस्जिद के बाहर से पत्थर हटाने को लेकर बवाल हुआ है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। हालात से निपटने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठी चार्ज करके हालात को कंट्रोल किया।

बस स्टैंड के पास मस्जिद के बाद पत्थर पड़े थे, जिसे मुस्लिम समुदाय की सहमति के बाद हटाया जा रहा था। तभी अचानक लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में इकट्ठा लोगों ने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। तभी देखते ही देखते पुलिस टीम पर पत्थरबाजी होने लगी। पथराव के वक्त उपद्रवियों द्वारा बोतलें भी फेंकी गई।

हालात का काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और लाठीचार्ज किया। फिलहाल हालात पुलिस के कंट्रोल में है। मौके पर भारी पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए 24 घंटे के लिए चौमूं में इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है। सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गुजरात के कच्छ में भूकंप, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4, किसी नुकसान की कोई खबर नहीं

कच्छ, 26 दिसंबर (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में आज, शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.4 मापी गई। रिपोर्ट के अनुसार भूकंप करीब शुक्रवार सुबह 04:30:02 बजे आया। भूकंप का केंद्र कच्छ जिले में अक्षांश 23.65 और देशांतर 70.23 पर स्थित था। जमीन के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई पर भूकंप का केंद्र दर्ज किया गया। अधिकारियों और प्रारंभिक खबरों के अनुसार, इस भूकंप के कारण अभी तक किसी भी प्रकार के जानमाल के नुकसान या संपत्ति के क्षतिग्रस्त होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, सुबह के वक्त आए इन झटकों के कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लोगों में दहशत फैल गई और कई निवासी एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल आए। कच्छ जिला 'अत्यधिक उच्च जोखिम' वाले भूकंपीय क्षेत्र में आता है, जहां अक्सर हल्की तीव्रता के भूकंप दर्ज किए जाते हैं। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी बच्चों के लिए बैन हो सोशल मीडिया, मद्रास हाईकोर्ट का केंद्र को दिया सुझाव

नई दिल्ली ,26 दिसंबर (एजेंसी)। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने केंद्र सरकार को एक अहम सुझाव दिया है। कोर्ट ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी ऐसा कानून लाने पर विचार किया जा सकता है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक हो।

जस्टिस केके रामकृष्णन और जस्टिस जी जयचंद्रन की डिवीजन बेंच एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इंटरनेट पर बच्चों तक पहुंच रही आपत्तिजनक सामग्री को लेकर चिंता जताई गई थी। याचिका एस विजयकुमार ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने देशभर के सभी इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए पैरेंटल कंट्रोल या पैरेंटल विंडो की सुविधा अनिवार्य करने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता का कहना था कि इंटरनेट पर अश्लील सामग्री और चाइल्ड सेक्शुअल अब्यूज मटेरियल बेहद आसानी से उपलब्ध है, जिससे नाबालिग बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। इससे उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है।

कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए कहा कि भले ही छ्रूरू से जुड़ी वेबसाइट्स और यूआरएल को ब्लॉक किया जाता हो, लेकिन ये लगातार नए रूप में सामने आ जाती हैं। ऐसे में केवल सर्वर स्तर पर रोक लगाना पर्याप्त नहीं है। उपयोगकर्ता स्तर पर नियंत्रण भी जरूरी है, जो पैरेंटल कंट्रोल टूल्स के जरिए ही संभव हो सकता है। साथ ही, माता-पिता और बच्चों को इस तरह की सामग्री के खतरों के बारे में जागरूक करना भी जरूरी बताया गया।

बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि वयस्कों के मामले में कंटेंट देखने या न देखने का फैसला व्यक्तिगत अधिकार हो सकता है, लेकिन बच्चों के लिए जोखिम कहीं अधिक है। इसी को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार ऑस्ट्रेलिया जैसे कानून की व्यवहारिकता पर विचार कर सकती है, जिसमें 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल प्रतिबंधित है।

अंतरिम व्यवस्था के तौर पर हाई कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जब तक कोई ठोस कानून नहीं बनता, तब तक जागरूकता अभियानों को और मजबूत किया जाए। खासकर बच्चों और अभिभावकों तक सभी उपलब्ध माध्यमों से संदेश पहुंचाने पर जोर दिया गया। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि केंद्र और राज्य सरकारों के तहत काम कर रहे आयोग इस दिशा में एक प्रभावी योजना बनाकर उसे लागू करेंगे।

आधी रात में खाली होने लगा राबड़ी आवास

तेजस्वी और लालू पटना से बाहर, एक माह पहले मिला था नोटिस

पटना , 26 दिसंबर (एजेंसी)। बिहार में राबड़ी आवास से सामान की शिफ्टिंग शुरू हो गई है। गुरुवार रात 4 से 5 छोटी गाड़ियां पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) पहुंचीं। इन गाड़ियों से सामान को गोला रोड स्थित गौशाला में शिफ्ट किया गया। इसके बाद यह दूसरी जगह भेजा जाएगा।

रात के अंधेरे में राबड़ी आवास पहुंचीं छोटी गाड़ियों से पौधे और गार्डन के अन्य समान निकालने की तस्वीर समाने आई है। ये शिफ्टिंग ऐसे वक्त हो रही है जब ऋछ्ष्ठ सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव दिल्ली में हैं। तेजस्वी भी बाहर हैं। घर में कोई पुरुष नहीं है। हालांकि, आरजेडी की तरफ से फिलहाल सामान शिफ्ट किए जाने को लेकर कुछ कंफर्म नहीं किया गया है।

20 साल बाद लालू परिवार को सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। एक महीने पहले 25 नवंबर को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा था।

भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि बिहार विधान परिषद के नेता विपक्ष के लिए पटना केंद्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।

एक महीने पहले आवास खाली करने को लेकर मिले नोटिस पर लालू परिवार एकजुट दिखा था। तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'छोटे भाई ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और बड़े भाई के बंगले को खाली करने का आदेश दे दिया। लालू जी और उनका परिवार अब 10 सर्कुलर रोड के बंगले में नहीं रहेगा। 28 साल से जिस आवास से बिहार और राजद के लाखों कार्यकर्ताओं का एक भावुक रिश्ता जुड़ा था, उसे एक सरकारी नोटिस में खत्म कर दिया गया है। इस घर के जाने के साथ ही नीतीश जी और लालू जी के बीच के भैयारी वाले नैतिक रिश्ते का भी अंत हो गया है।'

'जहां मिले वहां मारो...', पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को मिली जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़ ,26 दिसंबर (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को इंटरनेट मीडिया पर धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि इस संबंध में राज्यपाल की ओर से अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। साथ ही उन्होंने इस मामले पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार किया है। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नाम से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें राज्यपाल कटारिया के खिलाफ आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का प्रयोग किया गया। पोस्ट में लिखा गया है— * 'सुन रे गुलाबचंद, तेरी औकात में रह... करणी सैनिकों, मारो रे इसे जब और जहां मिलें। ' *फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

2200 अवैध बांग्लादेशी वापस भेजे, दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पूरे साल एक्शन मोड में दिखी

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसी)। दिल्ली में अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ सरकार साल 2025 में ऐक्शन मोड में दिखी। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, इस साल दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे लगभग 2,200 बांग्लादेशियों को उनके देश वापस भेज दिया गया। पहचान से लेकर वेरिफिकेशन और डिपोर्टेशन तक की यह लंबी प्रक्रिया, भारत में अवैध विदेशी नागरिकों पर कार्रवाई तेज करने के लिए गृह मंत्रालय के सख्त निर्देशों के बाद पूरी की गई। दिल्ली पुलिस सूत्रों की मानें तो कड़ी कार्रवाई के कारण, 2025 में अब तक लगभग 2,200 बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया गया है। पिछले सालों में यह संख्या काफी कम थी। 2024 में सिर्फ 14, 2023 में पांच और 2022 में 50 लोगों को डिपोर्ट किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी कई हाई-लेवल मीटिंग्स के एजेंडे में रहा है। पिछले साल प्रधान मंत्री और गृह मंत्री की अध्यक्षता में होने वाली सालाना सुरक्षा बैठक, डीजी कॉन्फ्रेंस में भी इस पर चर्चा हुई थी। इसके बाद सभी राज्यों को देश में रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए विस्तृत अभ्यास करने के निर्देश जारी किए गए। रिपोर्ट के अनुसार सबसे पहले दिल्ली पुलिस इन बस्तियों और लोगों की पहचान करना शुरू करती है। इसके बाद उनके कागजात और डॉक्यूमेंट्स चेक किए जाते हैं। कई मामलों में, उनके पास आधार और पैन कार्ड, यहां तक कि वोटर आईडी जैसे भारतीय पहचान पत्र मिले। इन डॉक्यूमेंट्स को वेरिफाई किया जाता है और जब वे जाली पाए जाते हैं, तो उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया जाता है।

वाह वाह

काका को रात में 12 बजे एक लड़की का फोन आता है...!

काका- हेलो कौन...?

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा...!

काका (खुश होकर) - कौन हैं आप...?

लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जायेंगे तो खुद से भी हो जाएंगे जुदा..!

खुशी के मारे काका की आंखों में पानी आ गया,

वो बोले- तुम सच में मुझसे शादी करोगी...?

लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बंनाने के लिए 8 दबाएं...!

छत्तीसगढ़ में ठंड से अभी नहीं मिलने वाली राहत, अगले 48 घंटों में 2 डिग्री गिरेगा तापमान

रायपुर, 26 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में लोगों को फिलाहल कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है. आने वाले 48 घंटों में प्रदेश के तापमान में 1 से 2 डिग्री तक तापमान गिर सकता है. इसके बाद तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा. इस दौरान उत्तर और मध्य क्षेत्र में शीत लहर के आसार रहेंगे. राजधानी रायपुर सहित कई हिस्सों में कोहरे और धुंध की स्थिति रहेगी. मौसम के वर्तमान हालातों को देखते हुए जनवरी माह में भी कड़ाके की ठंड पड़ने की आशंका है. ऐसे में अगले सप्ताह भी कड़ाके की ठंड जारी रह सकती है. मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री रहा. यह सामान्य से 0.2 डिग्री कम है. न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक 13.5 डिग्री दर्ज किया गया. सबसे कम तापमान अंबिकापुर में दर्ज किया गया. यहां पारा 5.7 डिग्री तक पहुंच गया है. सुबह देर तक लोगों को हाड़ कंपाने वाली सर्दी का सामना करना पड़ रहा है. मौसम शुष्क रहने के कारण बदली-बारिश जैसे हालात कहीं भी निर्मित नहीं हुए. वर्ष अंत तक ऐसी स्थिति निर्मित होने की संभावना नहीं है. मौसम आने वाले कुछ दिनों तक पूर्णतः साफ ही रहेगा.

31 जनवरी तक ही माओवादियों के पास समर्पण का विकल्प, फरवरी से कड़ा होगा अभियान, नहीं मिलेंगे कई योजनाओं के लाभ

रायपुर,26 दिसंबर (एजेंसी)। माओवादी हिंसा विरोधी मुहिम में सरकार और सख्ती दिखाने जा रही है। 31 जनवरी 2026 तक आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को ही पुनर्वास योजना का लाभ मिल सकेगा। एक फरवरी से आत्मसमर्पण का रास्ता बंद हो जाएगा और इसके बाद समर्पण करने पर भी माओवादियों को पुनर्वास योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

केंद्र और राज्य सरकार ने जनवरी, फरवरी और मार्च के लिए साझा रणनीति तय की है। जनवरी के बाद माओवादियों को उनकी मांद के भीतर ही घुसकर गोली का जवाब गोली से दिया जाएगा। मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश को माओवादी हिंसा से मुक्त करने के लिए नरेन्द्र मोदी, अमित शाह ने संकल्प लिया है।

प्रदेश में विष्णु देव साय और विजय शर्मा इस मुहिम में निरंतर लगे हुए हैं। माओवादी अधिक संख्या में मुख्य धारा में लौटें, इसके लिए लगातार उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभी आत्मसमर्पित माओवादियों को आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 के तहत नकद प्रोत्साहन, प्रशिक्षण, नौकरी व स्वरोजगार के लिए सब्सिडी और आवास की सुविधा दी जा रही है।

सुरक्षा तंत्र से जुड़े राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक फरवरी से माओवादियों के लिए चल रही आत्मसमर्पण की नीति पर विराम लगाकर माओवादियों के खिलाफ लड़ाई तेज होगी। सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के ठिकानों में घुसकर उन्हें चारों ओर से घेरने और निर्णायक कार्रवाई करने की रणनीति पर अमल किया जाएगा।

बीजापुर जिले की कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर जिस तरह सुरक्षा बल के जवानों ने माओवादियों के सबसे सुरक्षित गढ़ को ध्वस्त किया था, ठीक उसी तरह अन्य ठिकानों को भी ध्वस्त किया जाएगा। इसके लिए राज्य से लगे पड़ोसी राज्यों से सुरक्षा बलों की मदद ली जाएगी। जरूरत पड़ने पर आपरेशन को सफल बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भी बस्तर में उतारा जा सकता है। इस व्यापक अभियान को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच सहमति बन चुकी है।

निगम के दर्री जोन के 8 वार्डों को मिली 2 करोड़ 42 लाख रू.के विकास कार्यों की सौगात

प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में किया गया विकास कार्यों का भूमिपूजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोन के 08 वार्डो को आज 02 करोड़ 42 लाख रूपये के नये विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में पृथक-पृथक स्थानों में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने विकास कार्यो का भूमिपूजन करते हुए शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य कर समयसीमा में इन कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 48 अंतर्गत इतवारी बाजार में 19 लाख 08 हजार रूपये की लागत से नॉन-वेजीटेबल मार्केट का उन्नयन कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत स्वामी आत्मानंद स्कूल दर्री में 20 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत (कलमीडुग्गू धनवारपारा) में 05 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. छत एवं टाईल्स निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत दर्री कन्वेयर बेल्ट के नीचे मछली मार्केट में 05 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 49 अंतर्गत राजीवनगर में रामनारायण घर से लीला नायक घर तक गौरा चैरा से दुर्गा पण्डाल तक एवं अरखित साहू घर से आर.डी.सिंह घर तक 15 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 51 अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में 20 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 46 अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन हेतु 25 लाख रूपये की लागत से पचरी, सी.सी. रोड, गहरीकरण इत्यादि निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 52 अंतर्गत प्रा.शा. अयोध्यापुरी में 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 48 अंतर्गत दर्री कन्वेयर बेल्ट के नीचे मछली मार्केट में 10 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 47 अंतर्गत लारीपारा में स्कूल के पास से मुक्तिधाम तक एवं वार्ड क्र. 51 अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में 10 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 47 जमनीपाली में कबीर सदन के पास 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 प्रा.शा. जमनीपाली में 10 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 अंतर्गत जमनीपाली कैलाश बीज भण्डार से सुराजी दास घर तक 20 लाख रूपये की लागत से नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 अंतर्गत गोपालपुर में 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से नवीन भवन का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 कुमगरी में विभिन्न स्थानों में 20 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 54 बरेड़ीमुड़ा कुमगरी में सेमीपाली बी.टी. रोड में 19 लाख रूपये की लागत से कलवर्ट एवं नाली निर्माण कार्य कराया जाना हैं। कलमीडुग्गू, अयोध्यापुरी व लारीपारा जमनीपाली में पृथक-पृथक आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन कार्यो का भूमिपूजन उद्योग मंत्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा किया गया।

प्रदेश के साथ ही कोरबा के विकास को भी मिली तेजी गति

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि विगत 02 वर्षो में छत्तीसगढ़ प्रदेश के साथ-साथ कोरबा के विकास को भी तेज गति प्राप्त हुई है, विकास के साथ-साथ इस दौरान दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभांन्वित किया गया है। उन्होने कहा कि श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी जी की 101वीं जयंती के शुभ अवसर पर आज दर्री जोन के इन वार्डो में 02 करोड़ 42 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया, निगम क्षेत्र में प्रतिदिन नये-नये विकास कार्य प्रारंभ हो रहे हैं, विगत 02 वर्षो में निगम क्षेत्र में लगभग 800 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत हुए, जिसमें से कुछ पूर्ण हो चुके हैं, कुछ प्रगतिरत एवं प्रक्रियाधीन हैं। उन्होने कहा कि कोरबा के विकास में किसी भी प्रकार का अवरोध नहीं होने दिया जाएगा, न ही धनराशि की कोई कमी होगी। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश में विकास को सही गति व दिशा दी गई है, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, तब विषम परिस्थितियों में भी उन्होने छत्तीसगढ़ की दशा व दिशा बदली और अब वहीं कार्य मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार भी कर रही है।

नहीं टूटेगा जनताजनार्दन का भरोसा

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा की जनता ने उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन को अपना विधायक चुना, मुझे अपना महापौर चुना, यह उनका हम पर भरोसा था, मैं यकीन दिलाती हूँ कि कोरबा की जनताजनार्दन का यह भरोसा कभी नहीं टूटेगा, उनका विश्वास सदैव कायम रहेगा। उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में निगम क्षेत्र में लगातार विकास कार्य जारी है, जो आगे भी जारी रहेंगे। कोरबा के विकास के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव व उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का भरपूर सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने कार्य कर रही सरकार – इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को सम्पूर्ण विकसित व आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, छत्तीसगढ़ सरकार की उनके इसी संकल्प को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, कोरबा की तरह भी प्रदेश के सभी जिलों में व्यापक रूप से विकास कार्य हो रहे हैं तथा आमजनता के हित में दर्जनों योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

अयोध्यापुरी में 40 लाख रू. से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा

अयोध्यापुरी सहित उक्त क्षेत्र के पार्षदों व नागरिकों की मांग पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अयोध्यापुरी में 40 लाख रूपये की लागत से सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की, इस सामुदायिक भवन के निर्माण से अयोध्यापुरी सहित आसपास की बस्तियों, आवासीय क्षेत्रों में निवासरत आमनागरिकों के शादी विवाह व सार्वजनिक कार्यक्रमों हेतु एक सर्वसुविधायुक्त स्थान की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, फिरतराम साहू, सरोज शांडिल्य, राधा महंत, प्रीति दिनेश शर्मा, जनकसिंह राजपूत, सम्मतकुंवर कंवर,चंदा बाई, सीमाबाई कंवर, मुकुंद सिंह कंवर, बंटी शांडिल्य, मण्डल अध्यक्ष मनोज लहरे, पूर्व पार्षद डॉ.रमेशचंद पाण्डेय, कविता राजपूत, मनोज अग्रवाल, संजय कुर्मवंशी, ईश्वर साहू, अजय चन्द्रा, लक्की नंदा, नारायण सिंह, योगेश्वर गुप्ता, कालंदी राजवाड़े, चन्द्रिका मरकाम, विजय मिर्री, भोला राठौर, रामकुमारी यादव, उर्मिला साहू, विमला केंवट, अर्चना ठाकुर, मोहित मरकाम, निगम के जोन कमिश्नर तपन तिवारी, सहायक अभियंता यशवंत जोगी, रितेश सिंह, आशमा डहरिया, किशोर साहू आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

लापता बुजुर्ग का मिला शव

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत वैशाली नगर खम्हरिया निवासी चैतराम यादव का शव कुसमुंडा खदान से लगे बरपाली क्षेत्र में मिला है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग बीते लगभग 10 से 12 दिन से लापता था,परिजन अपने स्तर पर उसकी खोजबीन कर रहे थे। पुलिस में भी सूचना दी गई थी। इस दौरान कुछ लोगों ने बुजुर्ग का शव बीते गुरुवार को कुसमुंडा खदान से लगे खोडरी बरपाली से खदान जाने वाले ऊपर रास्ते में देखा। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों को भी सूचना दी गई। शाम होने की वजह से बुजुर्ग के शव को विकास नगर स्थित अस्पताल के मर्चुरी में रखवाया गया। शुक्रवार को मर्ग पंचनामा कार्यवाही उपरांत पोस्टमार्टम किया गया। प्रथम दृष्टया ठंड से अकड़ कर मौत होना बताया जा रहा है। वहीं शव देखने से यह आशंका जताई जा रही है कि बुजुर्ग की मौत हाल में ही हुई है। हालांकि जांच उपरांत मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा। वहीं परिजनों का कहना है कि वे अक्सर इस तरह से कई बार घूमने निकल जाया करते थे और लौट आ जाते थे। इस बार कई दिनों तक नहीं लौटने से चिंता बढ़ गई थी।

नशेड़ी वाहन चालकों को पुलिस ने सिखाया सबक

22 चालकों पर की गई कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। आगामी न्यू ईयर को लेकर क्रिसमस के एक दिन पहले पुलिस ने वाहनों की विशेष जांच की। जिसमें नशा व यातायात नियमों का उल्लंघन कर फरटि भरने वाले चालकों पर कार्रवाई की गाज गिरी है। पुलिस ने 22 वाहनों को जप्त कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा क्रिसमस व आगामी न्यू ईयर को देखते हुए विशेष सतर्कता व चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के परिपालन में पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाकर शराबी चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही तेज गति, बिन हेलमेट व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अन्तर्गत कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 24 दिसंबर को जिले के विभिन्न स्थानों पर वाहनों की चेकिंग की गई। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 22 चालकों को पकड़ कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त व प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने आमजनों से नववर्ष का उत्सव सुरक्षित, संयमित व जिम्मेदारी के साथ मनाने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि शराब पीकर वाहन न चलाएं। यह स्वयं और दूसरों के जीवन के लिए घातक हो सकता है। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य पहने। चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का प्रयोग करें। तेज गति, लापरवाही व खतरनाक ड्राइविंग से बचे। देर रात यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन कर पुलिस के सहयोग की बात कही है।

राशिफल

मेष राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दाम्पत्य रिश्तों में नई ताजगी महसूस करेंगे। निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। आज आपकी कोशिशें पूरी हो सकती हैं। आप नए लोगों से संपर्क कर सकते हैं। आज आप कोई महत्वपूर्ण काम कर सकते हैं, जो भविष्य में आपको बड़ा फायदा देने वाला रहेगा।

वृष राशि: आज किसी बड़े मामलों पर समझौता और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। पेंडिंग काम आज पूरे हो जाएंगे। आप अपनी कड़ी मेहनत और सकारात्मक व्यवहार के जरिए कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलेंगे। पैसों के लेन देन में थोड़ा सतर्क रहें।

मिथुन राशि: आज आपका दिन सुनहरे पल लेकर आया है। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं। कोई भी काम करने से पहले उसकी रूपरेखा जरूर बना लें। आप खुद को दूसरों के सामने साबित करने में सफल होंगे। कामकाज से संबंधित अच्छे और व्यवहारिक आइडिया आपके दिमाग में आएंगे।

कर्क राशि: आज कर्क राशि के जातकों के लिए दिन उनके फेवर में रहेगा। अपने बिजनेस में नए प्रयोग करने में आप सफल होंगे। आज आप जो भी सोचेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। पहले किए गए कामों से भी आज बेहतर परिणाम प्राप्त होगा। प्रॉपर्टी से जुड़े काम आज पूरे हो सकते हैं।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में किसी सहकर्मी से मदद मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में तरक्की होनी तय है। ऑफिस में नई जिम्मेदारियों से आप लदे रहेंगे। घर पर भी कार्यभार बढ़ सकता है। माता-पिता आपकी मेहनत से खुश रहेंगे। व्यापार बढ़ाने के लिए आपकी मेहनत सफल रहेगी।

कन्या राशि: आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आपके मन में बहुत सी सकारात्मक भावनाएं आएंगी। इस राशि के बेरोजगार लोगों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। बेहतर होगा आज सामानों की लिस्ट बनाकर ही बाजार जाएं। इस राशि के छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

तुला राशि: आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। बिना वजह घर के किसी सदस्य पर गुस्सा न करें। आज आपको किसी अपनों से धन की प्राप्ति होगी। किसी नए काम की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ करें, लेकिन प्रयत्न में सतर्कता भी रखें। किसी व्यक्ति के लिए आकर्षण महसूस होगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आपकी सारी इच्छाएं पूरी होगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। लवमेट के साथ शादी फिक्स हो सकती है। बिजनेस के सिलसिले में आपका बाहर जाने का प्लान बन सकता है।

धनु राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आज आपके मन में कुछ नया करने की इच्छाएं जागृत होंगी। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिस्थिति के अनुसार अपना व्यवहार रखें। छात्रों के लिए फॉर्म भरने संबंधी कार्य के लिए आज का दिन शुभ है।

मकर राशि: आज का दिन कॉन्फिडेंस के साथ शुरू होगा। कार्य स्थल के लोगों के द्वारा प्राप्त हो रही जानकारी का इस्तेमाल अपने काम को बेहतरीन बनाने के लिए करने की आवश्यकता है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक से कोई बड़ा फायदा हो सकता है।

कुम्भ राशि: आपके लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के राजनीतिक नेताओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आप लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं। रिस्क लेकर आगे बढ़ने की कोशिश करें और गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ें। अपना वक्त बर्बाद न करें।

मीन राशि: आज आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज सोचा हुआ काम पूरा हो जाएगा। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। आज केवल अपने लक्ष्य को पूरा करने की जिद और जीवन के अन्य पहलुओं पर ध्यान न देने की वजह से आपका नुकसान हो सकता है।

शहर की कुसुम ने शॉट बाल चैंपियनशिप में देश को दिलाया गोल्ड मेडल

कमला नेहरू कॉलेज की छात्रा ने बढ़ाया मान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कबड्डी के बाद अब शॉट बाल की दक्षिण एशियाई चैंपियनशिप में कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा की छात्रा कुसुम साहू ने अपने देश को चैंपियन ट्राफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। यह चैंपियन ट्राफी नेपाल के पोखरा में 16 से 19 दिसंबर तक आयोजित प्रथम दक्षिण एशियाई गोल शॉट बॉल - चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर हासिल की है। कुसुम पुरानी बस्ती कोरबा के भंडारी चौक के ट्रक चालक संपत लाल साहू और धनलक्ष्मी साहू की बेटी है। बेटी की सफलता पर पूरा परिवार गर्व महसूस कर रहा है।

कुसुम ने कहा कि चार दिन के इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दक्षिण एशियाई देशों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किए। भारतीय टीमों के मार्गदर्शन और नेतृत्व की जिम्मेदारी भिवानी, हरियाणा के प्रशिक्षकों ने संभाली थी। परमवीर सिवाच ने पुरुष टीम को कोचिंग दी, जबकि विवेक कुमार, खरक महिला टीम के मुख्य कोच रहे। टीम का नेतृत्व अमित कौशिक, उमरावत ने किया। कुसुम साहू ने कहा कि इस प्रतियोगिता में कई देशों की टीमों और खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। वह छत्तीसगढ़ की टीम में शामिल थीं और उनका प्रदर्शन बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई सालों से इस खेल के लिए मेहनत कर रही हैं और आगे भी खेलना चाहती हैं, ताकि भारत, छत्तीसगढ़ और कोरबा का नाम रोशन कर सकें।

दूरदर्शी नेता, सशक्त वक्ता और सभी दलों के सम्माननीय व्यक्तित्व थे अटल बिहारी वाजपेयी : मंत्री देवांगन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया गया। विवेकानंद उद्यान के समीप अटल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने वाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्य अतिथि श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि सुशासन दिवस 19 से 25 दिसम्बर तक राज्य सरकार द्वारा अटल जी की जयंती के अवसर पर मनाया गया। उन्होंने कहा कि अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का वर्णन शब्दों में संभव नहीं। वे दूरदर्शी नेता, सशक्त वक्ता और सभी दलों के सम्माननीय व्यक्तित्व थे। उनके नेतृत्व में देश ने सड़क, शिक्षा, परमाणु शक्ति जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक प्रगति की। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। उनके प्रयासों से आज छत्तीसगढ़ विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार है जिन्होंने पूरे प्रदेश के नगरीय निकायों में अटल परिसर के निर्माण की पहल की। कोरबा का अटल परिसर राज्य के सर्वश्रेष्ठ परिसरों में से एक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा आज राज्यस्तरीय कार्यक्रम में अटल परिसर का लोकार्पण किया गया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा गांव-गांव में अटल चौक निर्माण की पहल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अटल जी के विचारों को आगे बढ़ाते हुए भारत को विकास की राह पर ले जा रहे हैं। भारत आज विश्व में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सुशासन दिवस के अवसर पर नगर निगम द्वारा आयोजित शिविर में 618 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 162 का त्वरित निराकरण किया गया। शेष आवेदनों पर भी कार्रवाई जारी है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा जिले के विकास, विशेषकर सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के उन्नयन पर तेज गति से कार्य हो रहा है।

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि अटल जी का राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन प्रेरणादायी है। सुशासन दिवस सप्ताह के दौरान नागरिकों के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी व सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं।

नगर निगम आयुक्त एवं प्रभारी कलेक्टर श्री आशुतोष पांडेय ने बताया कि 19 से 25 दिसम्बर के बीच शिविर लगाकर जन्म से मृत्यु तक नागरिकों को उपलब्ध योजनाओं की जानकारी व सेवाएँ दी गईं। नगर निगम का लक्ष्य हर नागरिक तक सुविधा पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि मंत्री जी के प्रयासों से लगभग साढ़े तीन करोड़ की बीटी सड़क स्वीकृत हुई है। कुल 618 आवेदनों में से 30 प्रतिशत समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। हाल ही में निर्मित कोरबा अटल परिसर राज्य के सर्वश्रेष्ठ परिसरों में गिना गया है।

कार्यक्रम में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने राजधानी से राज्यस्तरीय लोकार्पण कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री के संबोधन को लाइव सुना। इस दौरान अटल परिसर में लगे अटल जी के तस्वीरों का अवलोकन भी किया गया।

लाहौल और स्पीति जिले में कोक्सर के पास गम्फू में ताज़ी बर्फ से ढकी घाटियों में पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं।

कोलकाता में इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया के ऑफिस के बाहर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों और बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शनकारी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर दबाव डालने और सेंट्रल सरकार के कर्मचारियों को माइक्रो-ऑब्जर्वर नियुक्त करके सुनवाई के ज़रिए एक खास समुदाय को राजनीतिक मकसद से बाहर करने का आरोप लगा रहे थे।

तस्वीर रूस के दक्षिणी मॉस्को में यासेनेवाया स्ट्रीट पर एक कार विस्फोट का दृश्य दिखाती है। रूसी जांच समिति ने 22 दिसंबर को कहा कि उसने उस हमले के संबंध में एक आपराधिक मामला दर्ज किया है जिसमें रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के कॉम्बैट ट्रेनिंग निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सलवारोव की मौत हो गई थी। जांच समिति के प्रवक्ता पेट्रेंको के अनुसार, दक्षिणी मॉस्को में यासेनेवाया स्ट्रीट पर सुबह करीब 7 बजे एक कार के नीचे लगाए गए विस्फोटक उपकरण में विस्फोट किया गया, जिससे सलवारोव घायल हो गए, जिनकी बाद में चोटों के कारण मौत हो गई।

उस्मान हादी की हत्या से बांग्लादेश में क्यों आया उबाल? यूएन भी बढ़ती हिंसा को लेकर परेशान

ढाका ,26 दिसंबर (एजेंसी)। उस्मान हादी की हत्या के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं प्रबल हैं और हिंसा का दौर जारी है। हादी की हत्या का आरोप अवामी लीग के नेता पर लग रहा है, लेकिन राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस पूरे मामले में असल में एक बड़ी साजिश हो सकती है।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से वहां भारत विरोधी भावना उफान पर है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी उस्मान हादी को लेकर भारत पर आरोप लगा रहे हैं। साथ ही उनका कहना है कि हादी की हत्या का आरोपी फैसल करीम भी भारत में छिपा हुआ है। हालांकि बांग्लादेश की सरकार ही कह रही है कि फैसल करीम के भारत भागने के कोई सबूत नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उस्मान हादी की हत्या बांग्लादेश में इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनी हुई है और इससे किसे फायदा है?

कट्टरपंथियों की साशि की आशंकाबांग्लादेश की भू-राजनीति के जानकार और इस वक्त पेरिस में रह रहे नाहिद हेलाल ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया है कि उस्मान हादी की हत्या से शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग या खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी को नहीं बल्कि जमात ए इस्लामी और बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात को फायदा हो सकता है। नाहिद ने लिखा, 'उस्मान हादी की हत्या के बाद से जो हो रहा है, यही जमात ए इस्लामी के नेता और कट्टरपंथी वर्ग चाहता था। इससे कट्टरपंथियों को अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने, मीडिया संस्थानों को डराने और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की हत्या और सबसे अहम बात चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने का मौका मिल गया है।'बीएनपी की पूर्व सांसद निलोफर चौधरी मोनी ने एक बांग्लादेशी न्यूज चैनल पर पैनल चर्चा के दौरान भी दावा किया कि उस्मान हादी की हत्या से जमात ए इस्लामी को फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'उस्मान हादी की हत्या के आरोपी फैसल करीम की दो बार जमानत सुप्रीम कोर्ट के वकील और जमात ए इस्लामी के नेता शिशिर मनीर ने कराई थी। दूसरी बार जमानत तो उस्मान हादी की हत्या से कुछ महीने पहले ही कराई गई थी।' विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश में अस्थिरता, सांप्रदायिक तनाव, अराजकता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में गड़बड़ी से सबसे ज्यादा फायदा कट्टरपंथियों को होगा। ऐसे में आशंका है कि उस्मान हादी की हत्या के पीछे कट्टरपंथी हो सकते हैं, जो हादी की हत्या का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। जमात ए इस्लामी को चुनाव में मिल सकता है फायदा

उस्मान हादी की हत्या का राजनीतिक कोण एक ये भी है कि उस्मान हादी भारत विरोधी बयानबाजी के चलते कट्टरपंथियों के बीच चर्चित था। साथ ही वह ढाका-8 सीट से आगामी चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़ने वाला था। ढाका-8 बांग्लादेश की अहम संसदीय सीट मानी जाती है, जिसके क्षेत्र में ही ढाका यूनिवर्सिटी और संसद भवन आते हैं। यहां से बीएनपी नेता मिर्जा अब्बास और जमात ए इस्लामी की पार्टी छात्र शिबिर के नेता मोहम्मद अबु सादिक भी उम्मीदवार हैं। मिर्जा अब्बास एक बड़ा नाम है और जीत के दावेदार हैं। अब उस्मान हादी की हत्या के बाद जिस तरह से माहौल बना है, उससे जमात के नेता मोहम्मद अबु सादिक को फायदा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र ने बांग्लादेश की हिंसा पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बांग्लादेश में हिंसा पर चिंता जताई है, जिसमें देश में एक हिंदू व्यक्ति की लिंचिंग की बर्बर घटना भी शामिल है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को डेली प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'हां, हम बांग्लादेश में हुई हिंसा को लेकर बहुत चिंतित हैं।' दुजारिक ने कहा, 'चाहे वह बांग्लादेश हो या कोई और देश, जो लोग 'बहुसंख्यक' नहीं हैं, उन्हें सुरक्षित महसूस करने की ज़रूरत है, और सभी बांग्लादेशियों को सुरक्षित महसूस करने की ज़रूरत है। और हमें विश्वास है कि सरकार हर एक बांग्लादेशी को सुरक्षित रखने के लिए वह सब कुछ करेगी जो वह कर सकती है।'

बीते दिनों बांग्लादेश के मयमनसिंह के भालुका इलाके में 25 साल के गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी दीपू चंद्र दास को भीड़ ने कथित ईशनिंदा के आरोप में पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को आग लगा दी। दास की लिंचिंग के सिलसिले में रविवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया। द डेली स्टार अखबार ने पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन (रूक्ष) सूत्रों के हवाले से बताया कि इन नई गिरफ्तारियों के साथ, इस मामले में अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इंडोनेशिया में भयानक सड़क हादसा, अनियंत्रित बस पलटने से 15 लोगों की मौत और कई घायल

जकार्ता ,26 दिसंबर । इंडोनेशिया के सेंट्रल जावा प्रांत के सेमारंग शहर में सोमवार तड़के क्राप्याक टोल एग्जिट के चौराहे पर एक बस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेमारांग सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस का चालक नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क के रोड बैरियर से टकराकर पलट गई। सेमारंग सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के हेड बुडियोनो ने कहा कि बचाव अभियान काफी मुश्किल था क्योंकि कुछ पीड़ित बस के अंदर फंसे हुए थे और टूटे शीशे की वजह से अंदर जाने का रास्ता बंद था। बचाव दल को पलटी हुई बस के अंदर जाकर पीड़ितों तक पहुंचने के लिए रास्ता बनाना पड़ा और उन्हें बहुत सावधानी से बाहर निकालना पड़ा ।समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ऑफिस ने पुष्टि की कि सभी पीड़ितों को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है और उन्हें स्थानीय अस्पतालों में भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार, वे फिलहाल घटनास्थल की जांच कर रहे हैं। यह हादसा जकार्ता में एक घर में आग लगने से पांच लोगों की मौत के कुछ ही दिनों बताया कि जकार्ता में एक रिहायशी घर में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका ने 29 देशों से वापस बुलाए अपने राजदूत, ट्रंप की विदेश नीति में बड़ा उलटफेर

वॉशिंगटन ,26 दिसंबर (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में विदेश नीति को नए सिरे से आकार देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप प्रशासन ने करीब 30 देशों में तैनात अनुभवी अमेरिकी राजदूतों और वरिष्ठ दूतावास अधिकारियों को उनके पद से हटाते हुए वाशिंगटन वापस बुलाने का फैसला किया है। ये सभी राजनयिक पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान नियुक्त किए गए थे और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद भी अपने पदों पर बने हुए थे ।प्रशासन के इस फैसले को ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि विदेश नीति में व्यापक बदलाव की तैयारी के तहत ऐसे राजनयिकों को हटाया जा रहा है, ताकि उनकी जगह उन अधिकारियों को नियुक्त किया जा सके, जो राष्ट्रपति की प्राथमिकताओं और नीतिगत दृष्टिकोण का पूरी तरह समर्थन करते हों। विदेश विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पिछले सप्ताह कम से कम 39 देशों में तैनात राजदूतों को सूचित किया गया है कि उनकी सेवाएं जनवरी में समाप्त हो जाएंगी। बुधवार से उन्हें वाशिंगटन स्थित अधिकारियों की ओर से औपचारिक नोटिस मिलने शुरू हो गए थे ।आमतौर पर अमेरिकी राजदूत राष्ट्रपति की इच्छा पर कार्य करते हैं, हालांकि उनका कार्यकाल तीन से चार वर्ष का होता है। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से प्रभावित राजदूतों की विदेश सेवा की नौकरियां समाप्त नहीं होंगी। वे चाहें तो वाशिंगटन लौटकर विदेश विभाग में अन्य जिम्मेदारियां संभाल सकते हैं।

अदालत से ट्रंप प्रशासन को झटका, आदेश- जेल भेजे गए वेनेजुएला के कैदियों को मिले अपील का अधिकार

वॉशिंगटन,26 दिसंबर (एजेंसी) । अमेरिका में ट्रंप सरकार को एक बार फिर अदालत ने झटका दिया है। दरअसल ट्रंप सरकार ने कुछ माह पहले अपनी अप्रवासन नीति के तहत वेनेजुएला के आपराधिक इतिहास वाले लोगों को जेल भेज दिया था। अब अदालत ने कहा है कि उन्हें भी अपील का अधिकार है और जज ने दो हफ्ते के भीतर सरकार से इसकी योजना पेश करने को कहा है।

अमेरिका की एक संघीय अदालत के जज ने ट्रंप प्रशासन को झटका देते हुए आदेश दिया है कि अल सल्वाडोर की जेल भेजे गए वेनेजुएला के कैदियों को भी कानूनी अपील का अधिकार मिलना चाहिए। जज ने कहा कि या तो कैदियों को अदालती सुनवाई की सुविधा मिले या फिर उन्हें अमेरिका वापस लाया जाए। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज जेम्स बोसबर्ग ने ट्रंप सरकार को उन लोगों के लिए दो हफ्ते के अंदर एक योजना बनाने का आदेश दिया, जिन्हें बाद में अल सल्वाडोर से कैदियों की अदला-बदली में वेनेजुएला वापस भेज दिया गया था ।बोसबर्ग ने आदेश में लिखा, 'याचिकाकर्ताओं को उस तरह से नहीं हटाया जाना चाहिए था, जिस तरह से उन्हें हटाया गया, बिना किसी नोटिस के और उन्हें विरोध करने का कोई मौका भी नहीं दिया गया, जो उनके कानूनी अधिकारों का साफ उल्लंघन है।' ट्रंप प्रशासन की अप्रवासन विरोधी कार्रवाई में यह मामला एक बड़ा कानूनी मुद्दा बन गया है। इसकी शुरुआत मार्च में हुई, जब ट्रंप सरकार ने 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करते हुए वेनेजुएला के आपराधिक गुटों के सदस्य होने के आरोप में कुछ अप्रवासियों को टेररिज्म कन्फाइनमेंट सेंटर नाम की जेल में भेज दिया गया था। जुलाई में अमेरिका के साथ कैदियों की अदला-बदली में 200 से ज़्यादा प्रवासियों को वेनेजुएला वापस भेज दिया गया था। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा फेडरल बेंच में नियुक्त किए गए जज बोसबर्ग का यह फैसला, निर्वासित किए गए लोगों को इस आरोप को चुनौती देने का रास्ता खोलता है कि वे ट्रेन डी अरागुआ गैंग के सदस्य हैं और एलियन एनिमीज एक्ट के तहत उन्हें अमेरिका से निकाला जा सकता है।

प्रवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले ष्ट्ररु के वकील ली गेलर्नट ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण फैसला साफ करता है कि ट्रंप प्रशासन बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के लोगों को किसी बदनाम विदेशी जेल में नहीं भेज सकता और बस बच नहीं सकता।'

मैक्सिको की नौसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पांच लोगों के मारे जाने की आशंका, जांच जारी

वॉशिंगटन,26 दिसंबर (एजेंसी) । पुलिस की ओर से जारी बयान में हादसे की जांच जारी होने की बात कही गई है। अभी तक हादसे की वजह सामने नहीं आई है। हालांकि, इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि विमान कोहरे की वजह से दुर्घटना का शिकार हो गया हो।

मैक्सिको की नौसेना का एक विमान हादसे का शिकार हो गया। अधिकारियों ने बताया कि एक वर्षीय चिकित्सा रोगी और सात अन्य लोगों को ले जा रहा मैक्सिको की नौसेना का एक छोटा विमान सोमवार को गैल्वेस्टन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों के मारे जाने की आशंका है।

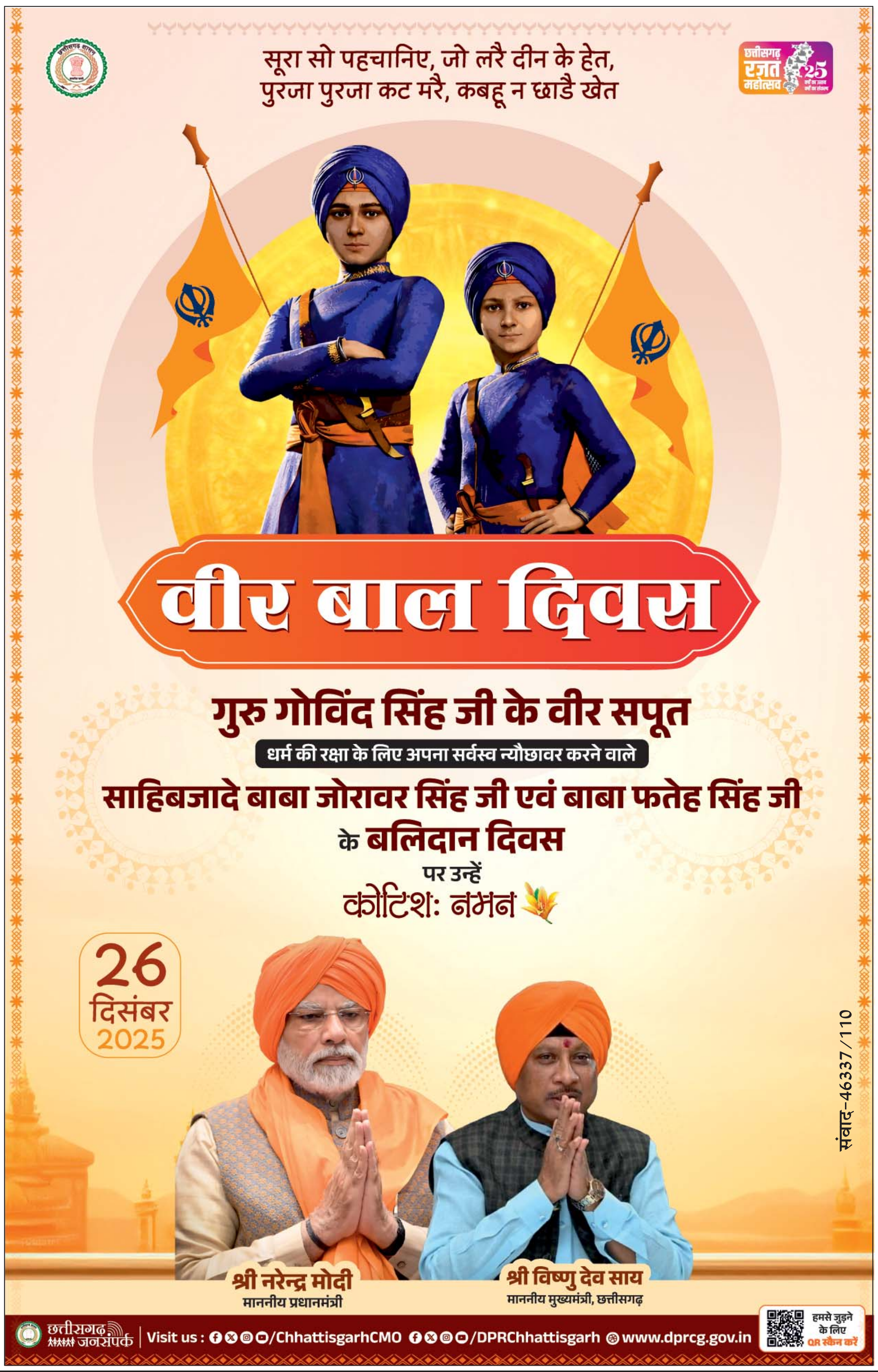

एपस्टीन फाइल्स की तस्वीरों में बिल क्लिंटन को देख कर दुख हो रहा है-ट्रंप

वॉशिंगटन,26 दिसंबर (एजेंसी) ।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जो लोग जेफ्री एपस्टीन के दोस्त थे और उसकी पार्टियों में शामिल हुए, अब उन्हें भी बदनाम किया जा रहा है। ट्रंप ने ये भी कहा कि उनकी सरकार की उपलब्धियों से ध्यान हटाने के लिए एपस्टीन फाइल्स का विवाद पैदा किया जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एपस्टीन फाइल्स विवाद को लेकर कहा कि जो लोग जेफ्री एपस्टीन से पूर्व में मिले और बेकसूर थे, अब जब उनकी तस्वीरें सामने आ रही हैं तो उन्हें भी बदनाम किया जा रहा है।

ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिकी न्याय विभाग ने बदनाम यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। जिनमें बड़े-बड़े उद्योगपतियों, राजनेताओं और फिल्मी सितारों की भी तस्वीरें शामिल हैं। फ्लोरिडा स्थित अपने रिजॉर्ट मार ए लागो में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन विवाद उनकी सरकार की शानदार उपलब्धियों से ध्यान हटाने के लिए खड़ा किया गया है। एपस्टीन फाइल्स की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की कई तस्वीरें हैं। जब इसे लेकर ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे बिल क्लिंटन पसंद हैं। मुझे बिल क्लिंटन की इन तस्वीरों को देखकर दुख हो रहा है। वहां मेरी भी तस्वीरें हैं क्योंकि हम सभी इस व्यक्ति (एपस्टीन) से काफी घुले-मिले हुए थे।'

ट्रंप ने कहा, बिल क्लिंटन अनुभवी व्यक्ति हैं और वे इन सब चीजों को संभाल सकते हैं, लेकिन ये ठीक नहीं है। ट्रंप ने कहा कि जो भी लोग जेफ्री एस्पटीन के करीबी थे और उसकी पार्टियों में शामिल हुए थे और उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया था। वे सभी प्रतिष्ठित लोग हैं, लेकिन अब उन्हें भी बदनाम किया जा रहा है। कई लोग इससे बेहद नाराज हैं क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना के लिए एक नए और बड़े युद्धपोत के निर्माण की योजना का भी एलान किया। यह योजना उनके उस विचार का हिस्सा है, जिसके तहत वह एक गोल्डन फ्लीट बनाना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, ये सबसे तेज, सबसे बड़े और अब तक बने किसी भी युद्धपोत से सौ गुना ज्यादा ताकतवर होंगे। ट्रंप के मुताबिक यह जहाज द्वितीय विश्व युद्ध के दौर के आयोवा-श्रेणी के युद्धपोत से ज्यादा लंबा और बड़ा होगा। इसमें हाइपरसोनिक मिसाइलें, रेल गन और हाई-पावर लेजर लगाए जाएंगे, जो सभी ऐसी तकनीकें हैं जिन पर नौसेना अभी काम कर रही है।

सम्पादकीय...

भूमिका बनाते राहुल गांधी !

विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी ने अपने जर्मनी के दौरे के दौरान बर्लिन के हर्टी स्कूल में 'राजनीति सुनने की कला है' विषय पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 में हुए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। गांधी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग के समक्ष औपचारिक रूप से चिंता जताई थी लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीबीआइ और ईडी को केंद्र ने अपना हथियार बना लिया है। इनके जरिये विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। राहुल ने कहा कि देखिए, ईडी और सीबीआइ के पास भाजपा के लोगों के खिलाफ कितने मामले हैं? आपको उत्तर शून्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा भारत के संस्थागत ढांचे को अपना मानती है और इसलिए वह इसका उपयोग अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए करती है। देखिए, भाजपा के पास कितना पैसा है और विपक्ष के पास कितना है। आपको 30:1 का अनुपात दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को प्रणालीगत चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्रिय रूप से तरीके विकसित करने चाहिए। राहुल ने हाल की चुनावी जीतों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीते हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ अपने आरोपों को दोहराते हुए कहा कि हमारे देश के संस्थागत ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमला हो रहा है। हमने चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछे। हरियाणा में एक ब्राजीलियाई महिला 22 बार मतदान सूची में थी... हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने बर्लिन में दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी का हर विदेश दौरा अब भारत-विरोधी राजनीति का मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि विदेशी धरती पर भारत की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना राजनीतिक आलोचना नहीं, बल्कि देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की सुनियोजित कोशिश है। बर्लिन में यह कहना कि भारत में कुछ भी निष्पक्ष नहीं है और संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया है, लोकतंत्र पर हमला है। चुघ ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं, बल्कि प्रोपेगेंडा के नेता, पर्यटन के नेता और पलायन की राजनीति के नेता बन चुके हैं। वह जहां जाते हैं, आरोप लगाते हैं और फिर जवाबदेही से भाग जाते हैं। देश की संस्थाओं, लोकतांत्रिक ढांचे और शासन प्रणाली को लगातार अपमानित करना उनकी राजनीतिक पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जिनकी सरकार का कार्यकाल देश की लूट और घोटालों के काले अध्याय के रूप में दर्ज है, उन्हें आज नैतिकता का पाठ पढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है। 3जी घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, कोयला घोटाला और नेशनल हेराल्ड जैसे मामलों ने कांग्रेस शासन की सच्चाई उजागर की थी। ऐसे लोग आज भारत पर सवाल उठाएं, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी जो कुछ कह रहे हैं या कर रहे हैं, वह एक सोची समझी नीति के तहत ही कर रहे हैं। राहुल गांधी और सोनिया गांधी दोनों ही जमानत पर हैं। देर-सवेर उन पर शिकंजा कसेगा, इसी बात को ध्यान में रखकर वह केंद्रीय एजेंसियों पर निशाना साधते रहते हैं। राहुल गांधी पर जिस दिन शिकंजा कसेगा उस दिन वह यही कहेंगे कि मैंने तो पहले ही कहा था कि सरकारी एजेंसियां सरकार के कहने पर ही चलती हैं। मैंने केंद्र सरकार की अतीत में आलोचना की थी, इसलिए मेरा शिकंजा कसा गया। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी बर्लिन में अपने लिए भूमिका ही बना रहे हैं। राहुल गांधी बर्लिन में अगर यह भी बता देते कि केंद्र सरकार ने किन-किन मामलों में राहुल गांधी सहित गांधी परिवार पर मुकद्दमें दर्ज किए हैं और अपनी स्थिति स्पष्ट कर देते तो शायद सुनने वालों को सत्य समझने में देर न लगती। विदेशियों को धरातल के सत्य से परिचित कराना अब सरकार की जिम्मेवारी है क्योंकि एक पक्षीय बयान से जो भ्रम पैदा हुए हैं उनको दूर कराना सरकार का ही काम है।

आधुनिक भारत के शिल्पकार श्रद्धेय अटलजी, अंत्योदय के थे साधक

अरुण साव, उपमुख्यमंत्री

भारत रत्न छत्तीसगढ़ के निर्माता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय राजनीति के ऐसे नायक थे, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने कृतित्व से प्रेरित करते रहेंगे। आज सामाजिक, राजनीतिक एवं समाज जीवन के अनेक क्षेत्र में लक्ष्यावधि लोग अटल जी की प्रेरणा से राष्ट्रकार्य में अपनी श्रेष्ठतम भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए वह पितातुल्य अभिभावक थे। ज्योतिपुंज अटल जी राजनीतिक क्षेत्र में जिस तरह निरहंकारी एवं ध्येयनिष्ठ व्यक्तित्व से लोगों के हृदय में बसे रहे वह देवदुर्लभ है। सहज-सरल, धोती कुर्ता पहने वह लोगों के बीच इतने सामान्य रूप में उपस्थित होते थे कि उनसे मिलने और अपनी बात रखने में कभी किसी कार्यकर्ता या सामान्य जन को जरा भी संकोच नहीं होता था। अटलजी के व्यक्तित्व में बहुमुखी प्रतिभा थी। कवि हृदय लेखक एवं पत्रकार के रूप में उन्हें मां सरस्वती का विशेष आशीर्वाद प्राप्त था। राष्ट्रधर्म, पांचजन्य एवं स्वदेश जैसे समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं को राष्ट्रीयता से ओतप्रोत अपनी पत्रकारिता से सिंचने का जो पुनीत कार्य उन्होंने किया वह आज भी देश और समाज को दिशा दे रहा है। एक कुशल राजनेता के रूप में अंत्योदय के वह अहर्निश पुजारी के रूप में आजीवन राष्ट्रसाधना में जुटे रहे। अटल जी आधुनिक भारत के वह महान शिल्पकार थे जिन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, सर्व शिक्षा अभियान जैसे अंत्योदय के अनुष्ठान से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की अविरल धारा पहुंचाई। सड़कें किसी भी क्षेत्र की प्रगति की सूचक होती हैं, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं ने दूरस्थ और अभावग्रस्त क्षेत्र तक समृद्धि और अवसर पहुंचाने का काम किया है। सर्वशिक्षा अभियान के जरिए हर बच्चे को स्कूल तक ले जाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ।

अटल जी के जीवन में राष्ट्र निर्माण के अनुपम सूत्र समाए हुए थे। विपक्ष और अन्य प्रतिस्पर्धी दलों के नेता भी उनसे प्रभावित होते थे तथा उनसे आवश्यक सुझाव लिया करते थे। दलगत भावना से ऊपर उठकर वह राष्ट्रहित में सदैव खड़े रहे। विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ जाने के कारण राष्ट्रभक्ति का जो ज्वार उनके भीतर रहा वह आजीवन उनकी कविताओं तथा उनके कृतित्व में प्रकट हुआ। राजनीतिक क्षेत्र में कई बार लोग मनभेद कर लेते हैँ, लेकिन उनके हृदय में किसी के प्रति कभी मन में विकार नहीं रहा। उनकी सहजता के कारण ही भिन्न विचारधारा के लोगों में भी उनकी स्वीकार्यता थी। हमारे छत्तीसगढ़ की 31 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या जनजातीय समाज से आती है। देश में कई दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने जनजातीय समाज को हमेशा वोटबैंक की तरह उपयोग किया, लेकिन उनका उत्थान कभी प्राथमिकता में नहीं रहा। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपने कार्यकाल में केंद्र में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की। आज छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्यप्रदेश, उत्तर पूर्व समेत विभिन्न राज्यों में जनजातीय समाज के उत्थान हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कथित आर्थिक महाशक्तियों के दबाव में आए बिना देश को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाया। अटलजी का मानना था कि अधोसंरचना विकास किसी भी राष्ट्र की धमनियों की तरह होता है। उन्होंने कई ऐसे क्षेत्र में निजी क्षेत्र की उद्यमीता को बढ़ावा दिया जो लंबे समय तक गैरप्रतिस्पर्धी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए ही आरक्षित मान लिए गए थे। इससे देश की अर्थव्यवस्था में गुणवत्ता एवं प्रतिस्पर्धा का विकास हुआ।

माननीय अटलजी की दूरदृष्टि से छत्तीसगढ़ के निर्माण का वह संकल्प पूर्ण हुआ जिसके लिए हमारे पुरखों ने लंबा संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ लोगों के लिए यह वर्ष राज्य की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है। ऐसे में प्रदेश का प्रत्येक नागरिक अपने राज्य निर्माता अटलजी के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर रहा है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमने इस वर्ष को अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। हमारी सरकार के प्रत्येक निर्णय में अटलजी के सुशासन का दर्शन होता है। वह चाहे किसानों की आमदनी दोगुनी करने से जुड़े अनेक निर्णय हों, जिनमें 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी, श्रीअन्न, दलहल, तिलहन एवं औषधीय खेती को प्रोत्साहन हो या फिर जैविक और प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन अन्नदाता के प्रति हमारी प्राथमिकता को साबित करता है। मातृशक्ति के आर्थिक स्वावलंबन के लिए महतारी वंदन योजना एवं महतारी सदन के निर्माण के साथ ही छत्तीसगढ़ में हरा सोना कहे जाने वाले तेंदूपत्ता श्रमिकों के लिए 5500 रुपये प्रति मानक बोरा संग्रहण राशि एवं चरण पादुका जैसे कल्याणकारी निर्णयों के पीछे मोदी जी गारंटी एवं अटलजी के सुशासन का संकल्प ही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विष्णुदेव साय जी की डबल इंजन सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए सुशासन एवं अभिकरण विभाग का गठन किया है। ई-ऑफिस जैसे नवाचार से शासकीय कामकाज में पारदर्शिता एवं दक्षता आई है। दैनिक जीवन से लेकर उद्यम लगाने से जुड़ी गतिविधियों में सहजता हो इस उद्देश्यों से हमारी डबल इंजन सरकार ने लगभग चार सौ नीतिगत सुधार किए हैं। यह छत्तीसगढ़ को सुशासन के बेहतरीन मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित करता है। आज देश के प्रधानसेवक एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी जी एवं छत्तीसगढ़ के हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में जुटे हैं, सकल्प से सिद्धी की यात्रा सही मायने में अटलजी की प्रेरणा से ही संभव होगी। यही उन्हें सच्ची आदरांजलि होगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

व्यंग्य:समझदारों का निरोगी बचपन अभियान

संतोष उत्सुक

स्वास्थ्य जैसे अस्वस्थ विषय पर बातचीत हमेशा होती रहती है। यह विषय पर्यावरण की तरह बहुत महत्त्वपूर्ण है। नियमित सेमीनार और शिविर होते हैं जिनमें प्रेरक भाषण होते हैं। सम्बंधित विभाग के कर्मचारियों को सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। वह बात अलग है कि इस दौरान समझदार कर्मचारी अपने निजी, पारिवारिक, सामाजिक कार्य भी सम्पन्न कर लेते हैं।

यह बात बहुत ज़्यादा तारीफ़ के काबिल है कि पिछले कई दशकों से, बेचारे बचपन को निरोगी रखने के संजीदा प्रयास निरंतर किए जाते रहे हैं। यह कार्य एक अभियान की तरह लिया जाता रहा है ठीक उसी तरह जैसे कुछ महीने के बच्चे, बड़े होते बच्चे, मोबाइल फोन को अपनाने के अभियान में लगे होते हैं। इस सन्दर्भ में उनके अभिभावक सरकारी योजनाओं की तरह, उनकी संजीदा मदद कर खुश हो रहे होते हैं। बचपन निरोगी अभियान के अंतर्गत महिलाओं को स्वस्थ रखने, बेहतर पोषित करने, उनके परिवार को सशक्त बनाने के लिए ईमानदार कोशिश की जाती है। वह बात अलग है कि सामान्य हस्पताल में, चिकित्सक के कमरे के बाहर लगी कतार में गर्भवती महिलाओं के बैठने के लिए स्टूल तक नहीं होता ।

स्वास्थ्य जैसे अस्वस्थ विषय पर बातचीत हमेशा होती रहती है। यह विषय पर्यावरण की तरह बहुत महत्त्वपूर्ण है। नियमित सेमीनार और शिविर होते हैं जिनमें प्रेरक भाषण होते हैं। सम्बंधित विभाग के कर्मचारियों को सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। वह बात अलग है कि इस दौरान समझदार कर्मचारी अपने निजी, पारिवारिक, सामाजिक कार्य भी सम्पन्न कर लेते हैं। कई बार उन्हें आवश्यक राजनीतिक दायित्त्व निभाने के लिए, प्रशिक्षण अवधि से ही समय चुराना पड़ता है। इसका प्रशिक्षण उन्हें पहले से होता है। ज़िम्मेदार विभागों के सदभाव, सहयोग, समन्वय और जागरूकता की मिसालें कायम हैं। हमारे यशस्वी इतिहास का हिस्सा हैं। इतिहास साक्षी है कि समझदार लोग अपना कर्तव्य भली भांति निष्पादित करने का, त्रुटि रहित पक्का रिकार्ड तैयार रखते हैं। इसे तैयार करने के लिए माहिर लोग प्रयोग किए जाते हैं जो यह जानते हैं कि शिशु के संसार में आते ही उसकी स्वास्थ्य जंग शुरू हो जाती है। प्रसव के लिए आर्थिक स्थिति के अनुसार ही प्रबंध हो पाता है। परिस्थितियां ही उनकी देखभाल करती हैं। जीवन शैली के कारण ही हर आम या ख़ास महिला के शरीर में कोई न कोई कमी, परेशानी या बीमारी रहती है। शायद इस सब का असर बच्चे पर भी पड़ता होगा। इस दौरान समझदारों का निरोगी बचपन अभियान जारी रहता है। साफ़ सुथरे और स्वस्थ आंकड़ों का हलवा भी पकाया जा रहा होता है।

दूसरे किस्म के माहिर लोग विज्ञापन तैयार कर रहे होते हैं। अभियान की योजनाएं बचपन पर आकर्षक, सुविधाजनक और लाभदायक रौशनी डालती है। जिनसे पता चलता है कि पैदा होने के बाद बच्चों के लिए उचित अंतराल पर लगने वाली वैक्सीन भी कतार में खड़ी होती हैं। उनसे यह भी पता चलता है कि कौन कौन सी बीमारी से बचाव होगा लेकिन यह तो भाग्य और आर्थिक परिस्थिति ही बताती है कि अमुक वैक्सीन किन किन नक्षत्रों में पैदा हुए शिशुओं को मिलने वाली है या किसी भी हालत में नहीं मिलने वाली है। उधर भूख और स्वास्थ्य की ज़रूरत, परेशान हालात में किसी अंधेरे कोने में पड़ी होती है जिसे वास्तव में नीति और राजनीति नहीं देखना चाहती। हम यहां पर माताओं के कुपोषण बारे ज्यादा बात नहीं कर सकते क्यूंकि उनके लिए भी समझदार लोग हमेशा जागरूक रहते हैं। पुराने अभियान बेस्वाद होने पर नए अभियान स्वादिष्ट बना सकने की खिचड़ी पका रहे होते हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सच्चा स्वांग...

स्वामी श्रीरामसुखदास जी महाराज

एक राजा था। उसके पास एक बहुरूपिया आया। वह तरह-तरह के स्वांग धारण किया करता था। उसमें देवी की ऐसी शक्ति थी कि वह जो भी स्वांग धारण करता, उसको पूरा वैसा का वैसा निभाता था। उसमें वह कहीं चूकता नहीं था। राजा ने कहा कि तुम एक विरक्त, त्यागी महात्मा का स्वांग लाओ। बहुरूपिये ने स्वीकार कर लिया। वह कुछ दिनों तक गुप्त रूप से रहा। जब दाढ़ी बढ़ गयी तो वह साधु का स्वांग लेकर शहर में आया। वह सबके साथ संत की तरह ही बर्ताव करता। किसी से न राग रखता, न द्वेष। भिक्षा में जो मिल जाए, उसी में सन्तोष करता। लोगों को खूब अच्छी-अच्छी बातें सुनाता। शहर में हल्ला मच गया कि बड़े विरक्त, त्यागी महात्मा आए हैं। राजा ने मन्त्री को भेजा कि जाकर देखो, वही बहुरूपिया है या कोई और सन्त है? मन्त्री ने जाकर देखा तो पहचान लिया कि यह तो वही बहुरूपिया है। राजा ने घोषणा की कि हम सन्त के दर्शन को जाएंगे। राजा ने एक थाल में बहुत-सी अशर्फियां भर लीं और भेंट-पूजा का सामान लेकर बड़े ठाट-बाट से वहां गया। मन्त्री तथा अन्य लोग भी साथ में थे। लोग कहने लगे कि ऐसे सन्त के दर्शन के लिए खुद राजा आए हैं! राजा उसके पास गया और अशर्फियों से भरा थाल उसके सामने रखा। सन्त ने अशर्फी अथवा रुपया, कपड़ा आदि कुछ भी नहीं लिया और शिव-शिव कहते हुए उठकर वहां से चल दिया। लोग कहने लगे कि अच्छा सत्संग होता था, पर राजा को पता नहीं क्या सूझी कि सत्संग में बाधा लगा दी! राजा की भेंट क्या काम आयी! वह बहुरूपिया अपने असली रूप में राजा के सामने आया और बोला कि अन्नदाता! इनाम मिल जाए।

राजा ने पूछा कि क्या तुम्हारे मन में है कि मैं इतने रुपये इनाम में दूंगा। वह बोला कि आप अपनी मरजी से जो देंगे, उसी में मैं राजी हो जाऊंगा। राजा बोला- तू मूर्ख है! मैंने इतनी अशर्फियां तुम्हारे सामने रखीं, पर तुमने उनको छोड़ दिया! वह बोला- अन्नदाता! मैंने साधु का स्वांग लिया था, फिर मैं वह काम कैसे कर सकता था, जिससे साधु के स्वांग को बट्टा लग जाए! अगर मैं रुपयों पर मोहित हो जाता तो मेरा स्वांग बिगड़ जाता और भगवती माता भी नाराज हो जाती। राजा बहुत प्रसन्न हुआ कि यह बात तो ठीक कहता है। राजा ने उसको बहुत-सा इनाम दिया। एक दिन राजा ने बहुरूपिये से कहा कि तुम सिंह का स्वांग लाओ। वह बोला कि अन्नदाता! मैं स्वांग पूरा करता हूं, उसमें चूकता नहीं हूं। इसलिये आप मेरे से सिंह के स्वांग के लिए न कहें। यह स्वांग खतरनाक है! राजा ने कहा कि हम तो सिंह का स्वांग ही देखना चाहते हैं। बहुरूपिये ने कहा- अगर कोई नुकसान हो जाए तो पहले ही मेरा गुनाह माफ कर दें, नहीं तो कोई दूसरा स्वांग लाने की आज्ञा दें। राजा ने कहा- हम पहले से ही तुम्हारा गुनाह माफ करते हैं, तुम सिंह का स्वांग लाओ।

अरावली की चिन्ता: नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

ललित गर्ग

अरावली पर्वत शृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से '100 मीटर ऊंचाई' जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि 'नियंत्रित' शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्त्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज़ शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

(यह लेखक के अपने विचार है)

कुलदीप सेंगर की सजा निलंबन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी सीबीआई, जल्द दायर की जाएगी याचिका

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर [एजेंसी]। सीबीआई ने बुधवार को कहा कि वह पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उन्नाव दुष्कर्म मामले में सुनाई गई आजीवन कारावास के निलंबन और जमानत दिए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी ।यह निर्णय 2017 के दुष्कर्म मामले में दिल्ली हाई कोर्ट के आदेशों का अध्ययन करने के बाद लिया गया है। इस बीच, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता से मुलाकात के दौरान उन्हें अपनी तरफ से हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। सीबीआइ के प्रवक्ता ने कहा कि हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ जल्द-से-जल्द सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित करते हुए जमानत दी गई थी। हालांकि, हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद सेंगर जेल में ही रहेंगे, क्योंकि वह दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मृत्यु के मामले में भी 10 साल की सजा काट रहे हैं। कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत से आक्रोशित पीड़िता के परिवार ने बुधवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर न्याय और मदद की गुहार लगाई ।पार्टी सूत्रों ने बताया कि पीड़िता और उनके परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में कुलदीप सेंगर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए एक शीर्ष वकील दिलवाने का अनुरोध किया, जिस पर नेता विपक्ष ने सकारात्मक वादा किया ।पीड़िता की मां ने वर्तमान हालात में परिवार की सुरक्षा और

जान पर खतरे की आशंका को देखते हुए किसी कांग्रेस शासित राज्य में रहने की व्यवस्था कराने की बात कही।

तीसरा आग्रह पीड़िता के पति ने एक बेहतर नौकरी दिलाने का किया। राहुल गांधी ने इन दोनों अनुरोध पर भी मदद का भरोसा दिया ।इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी मौजूद थीं। सोनिया और राहुल, दोनों ने परिवार को न्याय और सुरक्षा दिलाने के लिए अपनी तरफ से पूरा प्रयास करने की बात कही। उन्नाव पीड़िता के परिवार को सेंगर की जमानत के खिलाफ इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन करने से रोके जाने के बाद राहुल गांधी ने उन्हें मिलने के लिए बुलाया था ।उन्नाव की पीड़िता के परिवार को इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन से रोकने की तीखी आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने एक्स पर कहा, दुष्कर्मियों को जमानत और पीड़िताओं से अपराधियों सा व्यवहार, ये कैसा न्याय है। हम सिर्फ एक मृत अर्थव्यवस्था नहीं, ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ मृत समाज भी बनते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति की आवाज उठाना अधिकार है और उसे दबाना अपराध। जासं के अनुसार, दुष्कर्म पीड़िता और उनकी मां ने मंडी हाउस पहुंचकर विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बल ने उन्हें बीकानेर हाउस से हिरासत में लेकर कुछ घंटे बाद छोड़ दिया। 25 वर्षीय पीडता ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से भी मिलने के लिए समय मांगा है। पीड़िता की मां ने रोते हुए कहा कि हाई कोर्ट का फैसला उनके लिए न्याय नहीं, बल्कि उनके बच्चों के लिए बड़ा खतरा है।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज रेलवे स्टेशन के सामने बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

बाइक सवार बदमाश ने चाय दुकानदार के कंधे में मारी गोली, शराब पीने के लिए नहीं दिए थे रुपये

बाहरी दिल्ली, 26 दिसम्बर [एजेंसी]। नरेला थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये नहीं देने पर मंगलवार की रात बाइक सवार बदमाश ने एक चाय दुकानदार को गोली मार दी। गोली दुकानदार के कंधे पर लगी। आनन-फानन में घायल को पास के ही एक अस्पताल में ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे अन्य अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। नरेला थाना पुलिस ने संबंधित धारों में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार की रात नरेला थाना पुलिस को इस वारदात की जानकारी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पाया कि घायल को अस्पताल चाल ले जाया गया है। पुलिस ने पीड़ित परिवार से पूछताछ कर बदमाशों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से आरोपितों का पता लगा रही है। घायल दुकानदार बाबू की बहन ने बताया कि एक बाइक पर तीन बदमाश आए, उन्होंने पहले लूटपाट की। फिर जाते हुए बाइक पर पीछे बैठे शख्स ने बाबू को गोली मार दी ।इस दौरान उन्होंने बदमाशों को रोकने की भी कोशिश की, लेकिन वे वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। बदमाश तीन की संख्या में थे। इनमें से दो बदमाशों को वह पहले से जानती हैं। उनका नाम उन्होंने पुलिस को बता दिया है। घायल का इलाज जारी है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि बदमाशों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

कानपुर में गंगा बैराज को पर्यटक स्थल कुछ यूं हो रही तैयारी, दो सौ करोड़ रुपये से होगा विकास

कानपुर, 26 दिसम्बर [एजेंसी]। गंगा बैराज को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए केडीए दो सौ करोड़ रुपये से विकास कराने का खाका तैयार किया है। नए साल में गंगा बैराज का स्वरूप बदला नजर आएगा। गंगा बैराज रास्ते से जुड़ने वाले आसपास के जिलों से पर्यटक स्थल आने वालों को जाम में न फंसना पड़े इसको लेकर रास्तों को चौड़ा करने के साथ ही नया रास्ता बनाया जाएगा ।इसके अलावा बाटेनिकल गार्डन के सुंदरीकरण के साथ ही अटल घाट के पास खाली जगह को भी हरा-भरा किया जाएगा। इसके अलावा गंगा बैराज से जुड़े रास्तों को रोशन किया जाएगा ताकि गंगा बैराज से रात में गुजरने वालों को अंधेरे में न फंसना पड़े। विकास कराने के लिए केडीए ने खाका तैयार करने के सात ही कार्य कराने के लिए टेंडर भी आमंत्रित करना शुरू कर दिया है ।गंगा बैराज अब केवल बांध भर नहीं रह गया है। यह लोगों के लिए मनोरंजन केंद्र भी बन गया है। इसको केडीए

एक पर्यटक का रूप देने की तैयारी कर रहा है। आसपास की सड़कों को फोरलेन करने के साथ ही नया रास्ता अटल घाट बैराज से कंपनी बाग चौराहा तक बनाया जा रहा है। इसके बनने से बैराज में आने जाने के लिए दो रास्ते हो जाएगे और त्योहार के समय बैराज पर लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिल जाएगी। इसके लिए मैनावती मार्ग से सिंहपुर तक 24 मीटर चौड़ा किया जाएगा और गंगा बैराज से दो जगह से जोड़ा जाएगा। यह भी रास्ते फोरलेन होगे। इसके साथ ही मैनावती मार्ग की तरफ के चौराहा और सिंहपुर चौराहा का भी सुंदरीकरण किया जा रहा है। गंगा बैराज से उन्नाव, शुक्लागंज, लखनऊ, बिठूर मंधना, चौबेपुर, शिवराजपुर, उत्तरीपुरा, बिल्हौर, कन्नौज फरूर्खाबाद, समेत कई जिले जुड़ेगे। एक पर्यटक हब बनाने से लोगों को घूमने की जगह मिलेगी और लोगों को रोजगार मिलेगा। आय भी बढ़ेगी ।वर्तमान समय में गंगा बैराज में अटल घाट व नौका विहार बना है। यहां पर रोज लोगों घूमने आते है। अभी आसपास की सड़कें टूटी पड़ी है। रास्ते संकरे है इसके अलावा अंधेरा है। यह सब दुरुस्त हो जाने से लोगों की और संख्या बढ़ेगी।

नेटवर्क की दुनिया में क्रांति: कल अंतरिक्ष में अपना 'बाहुबली' भेजेगा इसरो, बिना टॉवर पहाड़ और समंदर के बीच भी चलेगा 5जी इंटरनेट

श्रीहरिकोटा ,26 दिसंबर (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन एक और इतिहास रचने जा रहा है, जो आम आदमी के जीवन में संचार का तरीका पूरी तरह बदल देगा। इसरो बुधवार सुबह 8:54 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से 'ब्लूबर्ड ब्लॉक 2' सैटेलाइट लॉन्च करने के लिए तैयार है। इस मिशन को इसरो के सबसे भारी और शक्तिशाली रॉकेट एलवीएम-3 (रुङ्करू3-रू6) के जरिए अंजाम दिया जाएगा, जिसे अपनी जबरदस्त क्षमता के कारण 'बाहुबली' भी कहा जाता है। इस लॉन्च की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सैटेलाइट अंतरिक्ष में एक मोबाइल टॉवर की तरह काम करेगा, जिससे भविष्य में पहाड़ों की चोटियों, घने जंगलों, रेगिस्तान और यहां तक कि बीच समंदर में भी मोबाइल नेटवर्क की समस्या खत्म हो जाएगी ।अंतरिक्ष में तैनात होगा मोबाइल टॉवरयह सैटेलाइट टेलीकम्युनिकेशन की दुनिया में एक बड़ी छलांग मानी जा रही है। अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल द्वारा विकसित किया गया ब्लूबर्ड ब्लॉक 2 सैटेलाइट, पारंपरिक उपग्रहों से बिल्कुल एंटीना होगा। इसका वजन करीब 6,500 किलोग्राम है। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष में एक 'पावरफुल सेल टॉवर' के रूप में काम करेगा।

पटना के अटल सभागार में बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन को उनके नेतृत्व में पार्टी सांसदों, विधानमंडल दल, राज्य कोर टीम और राज्य पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक के दौरान बिहार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने सम्मानित किया।

संयुक्त राष्ट्र में परमाणु वार्ता पर अमेरिका-ईरान आमने-सामने, ट्रंप प्रशासन की शर्तों को किया खारिज

संयुक्त राष्ट्र, 26 दिसम्बर [एजेंसी]। परमाणु वार्ता की बहाली को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तीखी बहस हुई। अमेरिका ने कहा कि वह ईरान के साथ प्रत्यक्ष बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन ईरान ने वाशिंगटन की शर्तों को खारिज कर दिया।

अमेरिका के उप मध्य-पूर्व दूत मार्गन आर्टेगस ने कहा कि किसी भी समझौते में ईरान में यूरेनियम संवर्धन की अनुमति नहीं दी जा सकती। वहीं ईरान के यूएन राजदूत अमीर सइद इरावानी ने इसे परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत ईरान के अधिकारों के खिलाफ बताया और कहा कि तेहरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा। जून में ईरान-इजरायल के बीच हुए 12 दिन के युद्ध से पहले दोनों देशों के बीच परमाणु मुद्दे पर पांच दौर की वार्ता हुई थी। इस दौरान अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले भी किए थे ।सितंबर के अंत में संयुक्त राष्ट्र ने यूरोपीय देशों की पहल पर स्नैपबैक प्रक्रिया

के तहत ईरान पर हथियार प्रतिबंध और अन्य पाबंदियां फिर से लागू कर दीं। रूस और चीन ने इसका विरोध किया है। ईरान ने परमाणु हथियार बनाने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है।

आईटी कंपनी की मैनेजर से सामूहिक दुष्कर्म, सीईओ समेत तीन गिरफ्तार

उदयपुर, 26 दिसम्बर [एजेंसी]। राजस्थान के उदयपुर में एक आईटी कंपनी की महिला मैनेजर के साथ चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पीड़िता ने अपनी ही कंपनी के सीईओ, महिला एग्जीक्यूटिव हेड और उसके पति पर आरोप लगाए हैं। देर रात पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस के मुताबिक, घटना 20 दिसंबर की रात सुखेर इलाके में हुई, जब युवती कंपनी के सीईओ के बर्थडे और न्यू ईयर पार्टी में शामिल होने के बाद घर लौट रही थी। युवती ने बताया कि पार्टी देर रात तक चली और जमकर शराब का सेवन हुआ। युवती बेहोश होने जैसी स्थिति में थी, तब महिला एग्जीक्यूटिव हेड ने उसे अपनी कार में बैठाया। कार में एग्जीक्यूटिव हेड का पति और सीईओ भी थे। आरोप है कि रास्ते में युवती को शराब जैसी चीज पिलाई गई, जिससे वह पूरी तरह बेहोश हो गई। कुछ देर बाद होश आने पर पीड़िता ने देखा कि उसके साथ छेड़छाड़ और फिर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। तीनों आरोपितों ने सुबह करीब 5 बजे उसे घर छोड़ा। पीड़िता के निजी अंगों पर चोट के निशान थे।

दिल्ली पुलिस भर्ती धांधली का सरगना हरियाणा से गिरफ्तार, केबल बिछाकर हैक किए गए थे कंप्यूटर

सांबा, 26 दिसम्बर [एजेंसी]। दिल्ली पुलिस में चालक भर्ती के फर्जीवाड़े में पुलिस ने गिरोह के सरगना सतीश कुमार को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया है। पानीपत निवासी सतीश कुमार की कंपनी एडुक्यूटी पर ही भर्ती परीक्षा संचालन का जिम्मा था और उसने ही इस सुनसान क्षेत्र में परीक्षा केंद्र चुना था। उन्होंने इस केंद्र को किराये पर लिया था। कंप्यूटर की व्यवस्था और नेटवर्किंग की जिम्मेवारी उसकी ही कंपनी की थी ।पुलिस सतीश कुमार को ही मुख्य आरोपित बता रही है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही गिरोह से जुड़ी अहम कड़ियां उसके हाथ लगेंगी। पुलिस अधिकारी के अनुसार सतीश ही इस पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड था। हुआ यूं कि सांबा जिले के घगवाल स्थित एक स्कूल के खाली पड़े भवन में दिल्ली पुलिस में चालक की भर्ती का परीक्षा केंद्र बनाया गया था। यह भवन सुनसान इलाके में है और आजकल बंद पड़ा है। साल्वर गैंग ने दो माह पहले ही परीक्षा केंद्र के पास एक कमरा किराये पर लिया और 100 फीट तक अंडरग्राउंड केबल बिछाकर परीक्षा के कंप्यूटर को हैक कर लिया ।17 दिसंबर को परीक्षा के दौरान वहां तैनात पुलिसकर्मियों को इस कमरे से आ रही आवाजों से कुछ संदेह हुआ और वे जांच करने जा पहुंचे। पुलिस को द्वार पर देख साल्वर गैंग के सदस्य पिछले दरवाजे से फरार हो गए ।स्कूल की इमारत की जांच के दौरान भीतर बनाए गए कंट्रोल रूम में लगाए सभी इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किए गए और भवन के मालिकों से पूछताछ की तो संदेह की सुई सतीश कुमार पर जा पहुंची। उसकी कंपनी ने ही भवन को 85 हजार रुपये प्रतिमाह के किराये पर लिया हुआ था ।पुलिस जांच कर रही है कि इसमें कितना

लेन-देन हुआ और उसने कितने मुन्नाभाई को परीक्षा पास करने में मदद की। आरोपित को सांबा जिला अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के बाद आरोपित में कोर्ट में पेश किया। उसके बाद अदालत ने उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया। परीक्षा सांबा के सुनसान क्षेत्र में कराने से स्पष्ट तौर पर परीक्षा संचालकों और साल्वर गैंग की मिलीभगत की आशंका जताई गई। परीक्षा में ज्यादातर अभ्यर्थी अन्य राज्यों से आए थे। अर्थात परीक्षा में फर्जीवाड़े की नींव बहुत पहले रखी जा चुकी थी। साल्वर गैंग ने स्कूल से कुछ दूर कमरा भी पहले से किराये पर ले लिया और स्कूल तक अंडरग्राउंड केबल भी बिछा ली।

क्रूरता की हदें पार : गर्भवती पत्नी को बिल्ली ने मारा पंजा, तो पति ने पत्थर से कुचलकर ले ली जान

अहमदाबाद ,26 दिसंबर (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद से इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां वाडज इलाके में 21 साल के एक युवक ने बदला लेने के लिए बेजुबान जानवर के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। युवक ने एक बिल्ली को इतनी बहरमी से पीटा और पत्थरों से कुचला कि उसकी मौत हो गई। इस दिल दहला देने वाली घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दूध पिलाते समय बिल्ली ने किया था हमला

पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना रविवार की है। आरोपी की पहचान राहुल दंतानी के रूप में हुई है। उसकी 20 वर्षीय पत्नी छह महीने की गर्भवती है। बताया जा रहा है कि रविवार को जब राहुल की पत्नी बिल्ली को दूध पिलाने गई, तो बिल्ली ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। पत्नी को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाया गया, लेकिन इस घटना से गुस्साए राहुल ने बिल्ली से बदला लेने की ठान ली और अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर खौफनाक साजिश रची।

बोरे में भरा, जमीन पर पटका और पत्थरों से कुचल दिया

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आरोपियों की दरिंदगी साफ देखी जा सकती है। आरोपियों ने पहले बिल्ली को एक प्लास्टिक के बोरे में कैद किया और बाइक पर लादकर एक सुनसान मैदान में ले गए। वहां उन्होंने बोरे को बार-बार जमीन पर पूरी ताकत से पटका। इसके बाद जब बिल्ली को बाहर निकाला गया, तो वह अधमरी हो चुकी थी।

पत्नी-बेटे को गला घोंटकर मारा, नदी में फेंका शव:गर्लफ्रेंड के दबाव में आकर मर्डर, भरण-पोषण ना देना पड़े इसलिए रची साजिश, 7 गिरफ्तार

कोंडागांव,26 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में दोहरे हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी पति रोहित सेठिया समेत कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, अवैध प्रेम संबंध, पारिवारिक दबाव और भरण-पोषण की रकम से बचने के लिए यह साजिश रची गई थी। मृतक महिला की पहचान भागवती सेठिया और उसके 3 वर्षीय बेटे के रूप में हुई है, जो पहले लापता बताए गए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी रोहित सेठिया ने अपने परिजनों और कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पहले महिला की गला घोंटकर हत्या की, फिर उसके 3 वर्षीय बेटे की भी गला घोंटकर हत्या कर दी। सबूत मिटाने के उद्देश्य से शवों को नदी और तालाब में फेंक दिया गया था। यह मामला फरसगांव थाना क्षेत्र का है।

भागवती सेठिया ग्राम सिरपुर की रहने वाले थी। उसकी शादी रोहित सेठिया से 2020 में हुई थी और उनका एक 3 साल बेटा था। वह अपने पति और बच्चे के साथ ससुराल में रह रही थी। शादी के बाद से ही भागवती को रोहित के परिवार द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल पक्ष भागवती के साथ लगातार मारपीट करता था, जिसको लेकर पूर्व में सामाजिक बैठक भी हो चुकी थी।

सामाजिक बैठक के बाद पति-पत्नी रहने लगे थे अलग

सामाजिक बैठक के बाद भागवती और उसके पति रोहित अलग-अलग स्थानों पर रहने लगे थे। इसी बीच भागवती और

उसका मासूम बच्चा मायके ग्राम सिरपुर से अचानक लापता हो गए। इस दौरान रोहित का बसंती सेठिया नाम की दूसरी युवती के साथ अफेयर हो गया।

दोहरे हत्याकांड की साजिश

पुलिस के अनुसार, रोहित ने परिवार और गर्लफ्रेंड के दबाव के साथ-साथ तलाक के विवाद और कोर्ट द्वारा निर्धारित 5000 रुपये प्रति माह की भरण-पोषण राशि से बचने के लिए दोहरे हत्याकांड की साजिश रची।पुलिस की जांच के अनुसार, 24 नवंबर को आरोपी रोहित सेठिया ने भागवती सेठिया को विशाखापट्टनम घुमाने का बहाना बनाकर अपने साथ ले गया। रास्ते में ओडिशा के जयपुर रोड के पास एक सुनसान इलाके में महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद, शव को पहचान छिपाने के लिए पत्थरों से बांधकर इंद्रावती नदी में फेंक दिया गया।पत्नी को मारने के बाद बच्चे की भी ले ली जानमहिला की हत्या के बाद, आरोपी उसके 3 वर्षीय बेटे को ओडिशा के सिंगारसाड़ी क्षेत्र के जंगल में स्थित एक तालाब के पास ले गए। वहां बच्चे की भी गला घोंटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को तालाब में फेंक दिया गया।कॉल डिटेल रिकॉर्ड से आरोपी तक पहुंची पुलिस इस बीच परिजनों के घरवालों ने बताया कि वह अपने बच्चे के साथ 20 नवंबर से लापता थी। लेकिन उन्हें इस घटना की जानकारी 3 दिसंबर को मिली।इसके बाद उन्होंने 6 दिसंबर को फरसगांव थाने में महिला और बच्चे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (ष्ट्ठक्र) और टावर लोकेशन के आधार पर आरोपियों तक पहुंची।

इस हत्याकांड में अब तक 7 आरोपी गिरफ्तारइस मामले में मुख्य आरोपी रोहित सेठिया के साथ उसकी गर्लफ्रेंड बसंती सेठिया, माता उर्मिला सेठिया और पिता रमेशचंद्र सेठिया को गिरफ्तार किया गया है। इनके अतिरिक्त, तीन अन्य आरोपियों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है, जिससे कुल गिरफ्तारियों की संख्या 7 हो गई है।

आमाबेड़ा हिंसा का विरोध : छत्तीसगढ़ बंद के दौरान मैग्नेटो मॉल में तोड़फोड़, ब्लिंकिट कर्मी को पीटा

रायपुर/कांकेर,26 दिसंबर (एजेंसी)।

कांकेर जिले के आमाबेड़ा में हुई हिंसा और कथित धर्म परिवर्तन के विरोध में बुधवार को कई सामाजिक संगठनों ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया। बंद का असर रायपुर समेत धमतरी, दुर्ग, रायगढ़, महासमुंद सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में देखने को मिला। बंद को चैंबर ऑफ कॉमर्स, विभिन्न व्यापारिक संगठनों और हिंदू संगठनों का समर्थन प्राप्त था।

रायपुर के मैग्नेटो मॉल में हिंदू संगठनों के कुछ कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की। मॉल के बाहरी हिस्से में की गई क्रिसमस थीम की सजावट को नुकसान पहुंचाया गया, जिससे फूल और सजावटी सामान बिखर गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।इसी तरह, होम डिलीवरी सेवाएं बंद कराने के प्रयास में कार्यकर्ता ब्लिंकिट के कार्यालय पहुंचे, जहां एक कर्मचारी के साथ मारपीट की गई। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मामले को लेकर पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई है। राजधानी रायपुर में इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर अधिकांश दुकानें बंद रहीं।एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि तोड़फोड़ और मारपीट की घटनाओं में यदि लिखित शिकायत प्राप्त होती है तो एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।कुछ इलाकों में खुली दुकानों को जबरन बंद कराया गया। इस दौरान शहर में तनाव की स्थिति भी बनी।कांकेर जिले में भी सुबह से दुकानें बंद रहीं। बंद के दौरान कुछ स्थानों पर छिटपुट विवाद की स्थिति बनी। आमाबेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम उसेली में कुछ लोग कथित धर्मांतरण से जुड़ी महिला के घर पहुंचे और उसे मूल धर्म में लौटने के लिए कहा। महिला के इनकार करने पर उसके घर के सामने बनी परछी में तोड़फोड़ की गई।

जगदलपुर के तारागांव में बड़ा सड़क हादसा, दर्शनार्थियों से भरी बस पेड़ से टकराई, एक की मौत

जगदलपुर, 26 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भानपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम तारागांव के पास दर्शनार्थियों को ले जा रही एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में राजनांदगांव निवासी तामेश्वर साहू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार कई अन्य यात्री घायल हो गए।मिली जानकारी के अनुसार, बस दुर्ग से करीब 30 से अधिक दर्शनार्थियों को लेकर तिरुपति की ओर जा रही थी। सुबह लगभग 5 से 6 बजे के बीच जैसे ही बस तारागांव के पास पहुंची, चालक को झपकी आ गई, जिससे बस का संतुलन बिगड़ गया और यह हादसा हो गया।

युवक की चाकू मारकर हत्या, तीन बदमाश फरार

रायपुर, 26 दिसंबर (एजेंसी)। राजधानी से सटे खरोरा इलाके में बीती रात बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आए। ग्राम बरौंडा स्थित 'किंग द ढाबा' के सामने लूट की नीयत से आए तीन अज्ञात हमलावरों ने एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी जान ले ली। मृतक की पहचान शिवकुमार साहू के रूप में हुई है, जो अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने ढाबे पर गया था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 11:30 बजे की है। शिवकुमार साहू अपने 11 दोस्तों के साथ खरोरा-रायपुर मेन रोड पर स्थित किंग ढाबा पहुंचा था। सभी दोस्त सिलतरा आबकारी वेयरहाउस में काम करते थे। खाना खाने के बाद जब शिवकुमार और उसके दो साथी ढाबे के बाहर बैठे थे, तभी ऑरेंज रंग की_यझ्ररू मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे।

आरोपियों ने पहले बलौदाबाजार जाने का रास्ता पूछा और देखते ही देखते चाकू निकालकर लूटपाट शुरू कर दी। बदमाशों ने शिवकुमार का मोबाइल छीनने की कोशिश की।जब शिवकुमार ने अपना मोबाइल बचाने के लिए विरोध किया, तो बदमाशों ने उसके सीने पर चाकू से प्राणघातक वार कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल शिवकुमार को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन घाव इतना गहरा था कि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।हत्या की खबर मिलते ही रायपुर पुलिस के आला अधिकारी हरकत में आ गए। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, एएसपी ग्रामीण और क्राइम ब्रांच की टीमें फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स (स्नस्रु) के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। नाकेबंदी: फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए जिले की सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।सीसीटीवी फुटेज: ढाबे और आसपास के रास्तों पर लगे कैमरों को खंगाला जा रहा है ताकि बदमाशों की पहचान हो सके।पोस्टमार्टम: शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

न्यू स्वागत विहार 6 लाख में जमीन ली थी, अब रजिस्ट्री और विकास शुल्क के देने होंगे 6.13 लाख रुपए

रायपुर,26 दिसंबर (एजेंसी)। पिछले 17 सालों से भटक रहे न्यू स्वागत विहार के भू-खंडधारियों की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। यहां जमीन खरीद चुके लोगों के सामने अब एक और नई परेशानी आ चुकी है। क्योंकि न्यू-स्वागत विहार का ले-आउट बदल गया है। नए ले-आउट के हिसाब से यदि पुरानी रजिस्ट्री शून्य हो गई तो भूखंडधारियों को नई गाइडलाइन दर से दोबारा रजिस्ट्री करानी पड़ेगी।ऐसे में नई गाइडलाइन दर के हिसाब से एक हजार स्क्वेयर फीट जमीन की रजिस्ट्री के लिए करीब दो लाख रुपए चुकाना पड़ेगा। साथ ही सड़क, नाली, बिजली, पानी के लिए प्रति वर्गफीट 209 रुपए शुल्क देना होगा। भू-खंडधारियों को सीधे तौर पर खरीदी गई जमीन का दोगुना शुल्क एक बार फिर से देना होगा। यह प्रोजेक्ट साल 2009-10 में लाया गया था।बिल्डर ने 26 एकड़ सरकारी

जमीन पर कब्जा कर ले आउट पास कराया और 3189 लोगों को बेच दिया। इससे प्रोजेक्ट पर ग्रहण लग गया था। पिछली सरकार ने लोगों को राहत देने के लिए आरडीए को नोडल बनाया था। बिल्डर पर तो कार्रवाई हुई, लेकिन राजस्व, नगर निगम, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के उन ज़िम्मेदार अफसरों पर आज तक कार्रवाई नहीं की गई, जिन्होंने इस कॉलोनी का नक्शा, लेआउट पास किया। यह जानते हुए भी कि इसमें सरकारी जमीन शामिल है।जानिए, किसके नाम पर होगा नामांतरणराजस्व विभाग से मिली जानकारी के अनुसार टाउनशिप का कुछ हिस्सा बोरियाखुर्द, सेजबहार और डूंडा में आता है। इनमें बोरियाखुर्द और सेजबहार ग्रामीण इलाके हैं। डूंडा के प्लॉट नगर निगम क्षेत्र में आ रहे हैं। डूंडा की जमीन नगर निगम कमिश्नर के नाम पर और बोरियाखुर्द और सेजबहार की जमीन तहसीलदार के नाम पर नामांतरण होगी। इसलिए बोरियाखुर्द और सेजबहार में पानी, बिजली और सड़क की व्यवस्था जिला प्रशासन करेगी। वहीं डूंडा वाले हिस्से का काम निगम देखेगा।

न्यू स्वागत विहार की फाइल संबंधित तहसीलदार के पास भेज दी गई है। जल्द ही इस मामले में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। - नंदकुमार चौबे, एसडीएम रायपुर

कितनी है रजिस्ट्री की नई दर, समझें

न्यू स्वागत विहार को बोरियाखुर्द, डूंडा और सेजबहार के तीन गांव को मिलाकर कॉलोनी बसाई गई थी। वर्तमान में प्रदेश में नई गाइडलाइन दर लागू हो गई है। इसमें डूंडा में 1859 रुपए स्क्वेयर फीट, बोरियाखुर्द में 1394 और सेजबहार में 1301 रुपए प्रति स्क्वेयर फीट की दर लागू है

मंत्रियों, नेताओं-अफसरों को अब गार्ड ऑफ ऑनर नहीं:छत्तीसगढ़ में 15 अगस्त-26 जनवरी जैसे कार्यक्रमों में सलामी जारी रहेगी

रायपुर,26 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मंत्रियों, नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर की परंपरा को समाप्त कर दिया गया है। राज्य शासन ने इस संबंध में पूर्व में प्रचलित व्यवस्था में संशोधन करते हुए नई व्यवस्था लागू कर दी है।हालांकि, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, शहीद पुलिस स्मृति दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, राजकीय समारोह और पुलिस दीक्षांत समारोहों में गार्ड ऑफ ऑनर की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। गृह विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने और औपनिवेशिक परंपराओं को समाप्त करने के उद्देश्य से गार्ड ऑफ ऑनर से जुड़े नियमों में संशोधन किया गया है।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रोटोकॉल के अनुसार संवैधानिक पदों पर आसीन अतिथियों के लिए यह व्यवस्था यथावत लागू रहेगी। आदेश के तहत राज्य के भीतर सामान्य दौरों, आगमन-प्रस्थान और निरीक्षण के दौरान राज्य के गृहमंत्री, अन्य मंत्रियों, डीजीपी सहित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जिले में दौरे, भ्रमण या निरीक्षण के समय दिया जाने वाला गार्ड ऑफ ऑनर समाप्त कर दिया गया है।उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा की विशेष पहल पर गृह विभाग ने औपनिवेशिक काल से चली आ रही इस परंपरा की समीक्षा की। समीक्षा के बाद वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप इसमें बदलाव करने के निर्देश जारी किए गए। गृहमंत्री शर्मा ने स्वयं विभागीय अधिकारियों को गार्ड ऑफ ऑनर की मौजूदा व्यवस्था का मूल्यांकन कर आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए

थे।गार्ड ऑफ ऑनर का पैमाना गणमान्य व्यक्ति के पद पर निर्भर करता है।6भारत के राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए 150 कर्मियों का दल शामिल होता।6इस दल को सेना, नौसेना और वायु सेना से बराबर संख्या में कर्मियों को लेकर बनाया जाता है। 6प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति को 100 कर्मियों का गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। 6राज्यपाल, मुख्यमंत्री और बाकी गणमान्य व्यक्तियों को 50 कर्मियों के दल का गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है।

भारत में गार्ड ऑफ ऑनर उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जो संवैधानिक या आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त पदों पर आसीन होते हैं। इनमें भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। आधिकारिक यात्राओं के दौरान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों या सरकार प्रमुखों-जैसे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को भी गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है।इसके अलावा वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को कमांड परिवर्तन या सेवानिवृत्ति परेड जैसे महत्वपूर्ण समारोहों में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। वहीं, सशस्त्र बल, अर्धसैनिक बल और पुलिस कर्मियों को कर्तव्य के दौरान शहादत देने पर उनके बलिदान के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया जाता है।

अवैध शराब पिलाने वाले ढाबा संचालक को किया गया गिरफ्तार

बलौदा बाजार,26 दिसम्बर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर अपने ढाबा में अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले 01 आरोपी शराब कोचिया को किया गया गिरफ्तार समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर की सहायता से अपराधिक कृत्यों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ में मिल रही है, लगातार कामयाबी। आरोपी को ग्राम कटगी खैरा मोड के पास ढाबा में अवैध महुआ शराब के सांथ रंगे हाथों किया गया गिरफ्तार आरोपी से ?2600 कीमत मूल्य का 25.200 बल्क लीटर हांथ भट्टी कच्ची महुआ शराब किया गया जप्त किसी भी प्रकार की शिकायत, सूचना अथवा अपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में किया गया प्रदान। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ* किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है।

दूध कंपनी के खिलाफ अब सड़कों पर उतरे यादव, कार्रवाई की मांग की

भाटापारा,26 दिसंबर (एजेंसी)। दूध निर्माता कंपनी के खिलाफ गौ पालन और गौ हित में कार्यरत यादव समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में लोग भाटापारा के बाल मंदिर परिसर साहड़ा देव स्थल पर एकत्रित हुए। उन्होंने कंपनी द्वारा दूध उत्पादकों व विक्रेताओं के प्रति भ्रामक अफवाह फैलाने की कड़ी आलोचना की और सख्त कार्रवाई की मांग की।प्रदर्शन के समर्थन में विशाल रैली निकाली गई। यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची। यहां भाटापारा एसडीएम श्यामा पटेल को सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, महामंत्री सुरेश यदु, तहसील अध्यक्ष भीखम यदु, सचिव सुखदेव यदु, संतोष यादव, एमएल यादव, इंद्रजीत यदु और चंद्रकांत यदु सहित हजारों लोगों ने ज्ञापन सौंपा। रैली को गौ सेवा आयोग के पूर्व सदस्य रमेश यदु, अधिवक्ता सुरेश यदु, अशोक यादव और मन्नूलाल यादव ने संबोधित किया। रमेश यदु ने बताया कि आगामी 26 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिला मुख्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस दौरान कैलाश यादव, सनत यदु, रामेश्वर यादव, रेशम यदु, तरूण यदु, सुनील यदु, गिरधारी लाल यादव, परमेश्वर

यादव, सुरेश यादव, रोशन यादव, संजय यादव, विजय यादव, हीरामणि यदु आदि मौजूद रहे।यहां भाटापारा एसडीएम श्यामा पटेल को सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, महामंत्री सुरेश यदु, तहसील अध्यक्ष भीखम यदु, सचिव सुखदेव यदु, संतोष यादव, एमएल यादव, इंद्रजीत यदु और चंद्रकांत यदु सहित हजारों लोगों ने ज्ञापन सौंपा। रैली को गौ सेवा आयोग के पूर्व सदस्य रमेश यदु, अधिवक्ता सुरेश यदु, अशोक यादव और मन्नूलाल यादव ने संबोधित किया। रमेश यदु ने बताया कि आगामी 26 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिला मुख्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

एशेज सीरीज 2025-26: चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित, खिलाड़ी हुए बाहर

नईदिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ एशेज सीरीज 2025-26 के चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड क्रिकेट टीम की प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी गई है। इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर और ओली पोप को शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह जेकब बेथेल और गस एटकिंसन की वापसी हुई है। बता दें कि चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से शुरू होना है। सीरीज में कंगारू टीम 3-0 की अजेय बढ़त ले चुकी है।ऐसी है इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन: जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टंग। आर्चर पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह सिडनी में होने वाला आखिरी टेस्ट मैच भी नहीं खेलेंगे। उन्होंने इस सीरीज के 3 टेस्ट में 9 विकेट चटकाए थे। चोटिल होने के कारण यह खिलाड़ी बाहर हुआ है। वहीं, पोप को खराब फॉर्म के कारण बाहर किया गया है।इंग्लैंड को अब तक सीरीज के सभी मुकाबलों में हार मिली है। पहले टेस्ट में उसे 8 विकेट से हार मिली थी। दूसरा टेस्ट भी टीम ने 8 विकेट से गंवाया। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड की टीम को 82 रन से हार मिली थी। पोप इन सभी मुकाबलों में कुछ खास नहीं कर पाए थे। उन्होंने 46, 33, 0, 26, 3 और 17 के स्कोर बनाए थे। इस खराब प्रदर्शन के कारण इंग्लैंड की काफी आलोचना भी हो रही है।आर्चर ने इस साल की में शानदार वापसी की थी।

विराट-रोहित के ऐतिहासिक शतक, बीसीसीआई की खराब ब्रॉडकास्ट व्यवस्था पर भड़के प्रशंसक

नई दिल्ली ,26 दिसंबर (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने शानदार शतक लगाकर घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की, लेकिन उनके मुकाबलों का लाइव प्रसारण नहीं हो सका। बीसीसीआई द्वारा जारी खराब क्वालिटी हाइलाइट्स ने फैंस को नाराज कर दिया।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार पारियों के बेहद खराब क्वालिटी वाले हाइलाइट्स ने प्रशंसकों को नाखुश कर दिया। अब प्रशंसक सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए कह रहे हैं कि ये वीडियो 'ह्य्य्द्वद्ध 7650 से रिकॉर्ड किए गए सीसीटीवी फुटेज' जैसा लग रहा है।विजय हजारे ट्रॉफी के पहले दिन विराट कोहली और रोहित शर्मा ने लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की, लेकिन बीसीसीआई की ब्रॉडकास्ट सीमाओं के चलते दोनों में से किसी भी मैच का लाइव टेलीकास्ट या स्ट्रीमिंग नहीं हो पाई। हालात और भी निराशाजनक रहे क्योंकि विराट का दिल्ली बनाम आंध्र प्रदेश मुकाबला बंगलूरू में बंद दरवाजों के पीछे खेला गया, विराट कोहली की ऐतिहासिक पारीबंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली ने 12 साल

बाद विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए 101 गेंदों पर 131 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके और तीन छक्के लगाए। इस दौरान विराट ने दिल्ली के लिए सिर्फ 17वीं लिस्ट ए पारी में 1000 रन पूरे किए और लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 16,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया।रोहित शर्मा का तूफानी शोवहीं, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में रोहित शर्मा ने मुंबई की ओर से खेलते हुए सिक्किम के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी की। रोहित ने 94 गेंदों में नाबाद 155 रन बनाए, जिसमें 18 चौके और नौ छक्के शामिल रहे। उन्होंने महज 62 गेंदों में अपना 37वां लिस्ट ए शतक पूरा किया और बाद में उसे बड़े शतक में तब्दील किया। मुंबई ने 237 रन का लक्ष्य करीब 20 ओवर शेष रहते ही आठ विकेट से हासिल कर लिया।ब्रॉडकास्ट न होने से भड़के फैंसहालांकि, इन दोनों ऐतिहासिक पारियों के बावजूद बीसीसीआई किसी भी मैच का सीधा प्रसारण नहीं करा सका। केवल अहमदाबाद और राजकोट में खेले जा रहे मुकाबलों को ही टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाया गया।

फैंस की उत्सुकता को देखते हुए बोर्ड ने अपने ' एक्स हैंडल पर दोनों शतकों के हाइलाइट्स जारी किए, लेकिन बेहद खराब वीडियो क्वालिटी ने फैंस को और भड़का दिया।वनडे में रहा दबदबावनडे क्रिकेट में साल के अंत तक रोहित और कोहली जोड़ी का दबदबा बना रहा। विराट कोहली ने 13 मैचों में 651 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल रहे, जबकि रोहित शर्मा ने 14 पारियों में 650 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 100 से ऊपर रहा। मैदान पर दोनों दिग्गजों ने इतिहास रचा, लेकिन बीसीसीआई की कमजोर ब्रॉडकास्ट व्यवस्था ने फैंस की खुशी में खलल डाल दिया।

इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ीं, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज के बाकी बचे दो मैच से बाहर

मेलबर्न ,26 दिसंबर (एजेंसी)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शुरू होगा जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।इंग्लैंड के गेंदबाज जोफ्रा आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी बचे दो एशेज टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाएंगे। टीम के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे इंग्लैंड की मैदान और मैदान से इतर की समस्याएं और बढ़ गई हैं। इसमें उसके सलामी बल्लेबाज बेन डकेट पर नशे में धुत होकर रास्ता भटकने का आरोप भी शामिल हैं।30 वर्षीय आर्चर पिछले चार वर्षों से पीठ और दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर सहित कई तरह की फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने भारत के खिलाफ

लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की और उसके बाद वह शानदार फॉर्म में थे।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शुरू होगा जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 3-0 से आगे है और उसने एशेज अपने पास बरकरार रखी है।

आर्चर बुधवार को एमसीजी में अभ्यास सत्र के लिए मैदान पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया। बाद में टीम के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि वह दौरे के बाकी बचे दो मैच से बाहर हो गए हैं। आर्चर ने पर्थ, ब्रिस्बेन और एडिलेड में खेले गए मैचों में कुल 80 ओवर गेंदबाजी की थी, जिसमें उन्होंने 27.11 की औसत से नौ विकेट लिए।उन्होंने एडिलेड में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में पहली पारी में 53 रन देकर पांच विकेट लिए और 51 रन बनाए। इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट मैच के लिए बुधवार को अपनी टीम की घोषणा की जिसमें आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। इसके अलावा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले ओली पोप की जगह जैकब बेथेल को टीम में लिया गया है। पोप का इस सीरीज में बल्लेबाजी औसत 20.83 है।डकेट ने सीरीज में खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है। डकेट का इस सप्ताह दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच कथित तौर पर नशे में धुत दिखाई देने का वीडियो सामने आया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने डकेट से बात की है।स्टोक्स ने कहा, 'मैंने उनसे संपर्क किया है। उनसे बात की है और उन्हें अपना पूरा समर्थन देने का वादा किया। इंग्लैंड के कप्तान के रूप में मेरा काम न सिर्फ टीम के लिए अनुकूल परिणाम हासिल करना है, बल्कि खिलाड़ियों को ऐसी मानसिक स्थिति में लाने की कोशिश करना भी है जहां वे मैदान पर जाकर अच्छा प्रदर्शन कर सकें।' चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है: जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोश टोंग।इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शुरू होगा जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 3-0 से आगे है और उसने एशेज अपने पास बरकरार रखी है।

आर्चर बुधवार को एमसीजी में अभ्यास सत्र के लिए मैदान पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने अभ्यास नहीं किया।

शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड क्रिकेट में भूचाल, मैकुलम की जगह रवि शास्त्री को कोच बनाने की उठी मांग

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में करारी हार के बाद इंग्लैंड क्रिकेट में कोचिंग बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने ब्रेंडन मैकुलम की जगह ऑस्ट्रेलिया में सफल रिकॉर्ड वाले रवि शास्त्री को इंग्लैंड का अगला हेड कोच बनाने की वकालत की है।इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इंग्लिश क्रिकेट में बड़े बदलाव की वकालत करते हुए रवि शास्त्री को ब्रेंडन मैकुलम का संभावित उत्तराधिकारी बताया है। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में इंग्लैंड की करारी हार के बाद मैकुलम और उनकी 'बैजबॉल' रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने महज 11 दिनों के भीतर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। तेज और उछालभरी पिचों पर इंग्लैंड का आक्रामक खेल पूरी तरह नाकाम रहा। न बल्लेबाजी में निरंतरता दिखी और न ही गेंदबाजी में दम, जिससे विदेशी धरती पर इंग्लैंड की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई।शास्त्री के रिकॉर्ड से प्रभावित पनेसरपत्रकार रवि बिष्ट से बातचीत में पनेसर ने कहा कि इंग्लैंड को ऐसे कोच की जरूरत है, जिसे ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में हराने का अनुभव हो। उन्होंने कहा, 'आपको यह सोचना होगा कि ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका कौन जानता है मानसिक, शारीरिक और रणनीतिक रूप से उनकी कमजोरी का फायदा कैसे उठाया जाए। मेरे हिसाब से रवि शास्त्री को इंग्लैंड का अगला हेड कोच बनना चाहिए।' पनेसर की यह राय रवि शास्त्री के ऑस्ट्रेलिया में शानदार रिकॉर्ड पर आधारित है। शास्त्री के कोच रहते भारत ने 2018-19 और 2020-21 में लगातार दो टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती थीं। इन ऐतिहासिक जीतों ने विदेशी दौरों पर भारतीय टीम की सोच और आत्मविश्वास दोनों को नई दिशा दी।चौथे टेस्ट से पहले इंग्लैंड की टीम में बदलावइसके उलट इंग्लैंड की टीम पर्थ, ब्रिसबेन और एडिलेड में खेले गए तीनों टेस्ट में बेबस नजर आई। बल्लेबाज दबाव में जल्दी ढहते रहे, जबकि गेंदबाज लंबे समय तक प्रभावी नहीं रह पाए, जिसका ऑस्ट्रेलिया ने पूरा फायदा उठाया। इसके बीच इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट से पहले टीम में बदलाव किए हैं। जोफ्रा आर्चर पूरी सीरीज से बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह गस एटकिंसन को शामिल किया गया है। वहीं, ऑलराउंडर जैकब बैथल को ओली पोप की जगह अंतिम एकादश में मौका दिया गया है। हालांकि, इंग्लैंड की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पहले ही खत्म हो चुकी हैं।शास्त्री का बतौर कोच रिकॉर्ड शानदाररवि शास्त्री का कोचिंग रिकॉर्ड पनेसर की बात को और मजबूती देता है। 2017 से 2021 तक भारत के कोच रहते हुए शास्त्री ने 43 टेस्ट में 25 जीत दर्ज कीं।

व्यापार

गुजरात में शराब पर बड़ा फैसला, गिफ्ट सिटी सेवन के लिए सरकार ने नियम बदले

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसी)। गांधीनगर सरकार ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (जीआईएफटी सिटी) में शराब संबंधी नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। इसके तहत शराब के सेवन के लिए परमिट प्राप्त करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। आइए विस्तार से जानते हैं।

गुजरात सरकार ने गिफ्ट सिटी में शराब सेवन के नियमों में ढील दी है। बदलावों के अनुसार अब गुजरात या भारत के बाहर का कोई भी व्यक्ति नामित होटलों या रेस्तरां में पहचान पत्र दिखाकर शराब का सेवन कर सकता है। राज्य के गृह विभाग ने 20 दिसंबर को एक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से इन परिवर्तनों की घोषणा की है।गुजरात एक ऐसा राज्य है जहां शराब का निर्माण, बिक्री और सेवन प्रतिबंधित है। हालांकि, सरकार ने 2023 में गिफ्ट सिटी को छूट दी, जिसके तहत कुछ शर्तों के साथ केंद्रीय व्यावसायिक जिले में शराब की बिक्री और सेवन की अनुमति दी गई थी।नवीनतम अधिसूचना के अनुसार, कोई भी बाहरी व्यक्ति जो गुजरात का निवासी नहीं है या विदेशी नागरिक नहीं है, अब जीआईएफटी सिटी में निर्दिष्ट स्थानों पर अपना वैध फोटो पहचान पत्र दिखाकर शराब का सेवन कर सकता है। यह नया नियम पिछली शर्त को समाप्त करता है, जिसके तहत ऐसे बाहरी व्यक्तियों को अस्थायी परमिट प्राप्त करने की आवश्यकता होती थी।शराब सेवन के स्थान से संबंधित नियम में भी बदलाव

गृह विभाग द्वारा लाया गया एक और बदलाव शराब परोसने और सेवन करने के स्थान से संबंधित है। पहले, शराब का सेवन केवल गिफ्ट सिटी के भीतर शराब बेचने की अनुमति प्राप्त होटलों या रेस्तरां के निर्दिष्ट वाइन और डाइन क्षेत्रों में ही अनुमत था। अब लॉन, पूल के किनारे और छतों जैसे अन्य क्षेत्रों में भी शराब का सेवन किया जा सकता है। अधिसूचना के अनुसार, भोजन के लिए आने वाले किसी भी व्यक्ति को रेस्तरां के वाइन और डाइनिंग क्षेत्र में बैठने की अनुमति है।अधिसूचना में कहा गया है कि गिफ्ट सिटी के जिन कर्मचारियों के पास शराब पीने का परमिट है, वे निर्धारित स्थानों पर एक समय में अधिकतम 25 अतिथियों की मेजबानी कर सकते हैं, और अतिथियों को अस्थायी परमिट प्राप्त होंगे बशर्ते कि मेजबान कर्मचारी उनके साथ हो।

क्या वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत विकास पथ पर बना रहेगा, आरबीआई ने दिया जवाब

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसी)। आरबीआई ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक बुनियाद और निरंतर आर्थिक सुधारों के चलते भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद उच्च विकास पथ पर बना रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 में वैश्विक व्यापार नीतियों में बदलाव से अनिश्चितता बढ़ी, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था ने लचीलापन दिखाया।भारतीय रिजर्व बैंक की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक बुनियाद और निरंतर आर्थिक सुधारों पर सरकार व नीतिगत संस्थानों का फोकस, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था को उच्च विकास पथ पर बनाए रखने में मदद करेगा।वैश्विक व्यापार अनिश्चितता का दिखा असर

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 में वैश्विक व्यापार नीतियों में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिला, जहां कई देशों

ने टैरिफ और व्यापार शर्तों पर द्विपक्षीय वार्ताओं का दोबारा रुख अपनाया। इन बदलावों का वैश्विक व्यापार प्रवाह और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर असर अब भी उभर रहा है, जिससे वैश्विक विकास को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। आरबीआई ने माना कि भारत पूरी तरह से इन बाहरी झटकों से अछूता नहीं रहा, लेकिन मजबूत नीतिगत ढांचा और सुधारों पर जोर अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।महंगाई फिलहाल अनुकूल बना हुआ हैरिपोर्ट में कहा गया कि महंगाई का परिदृश्य फिलहाल अनुकूल बना हुआ है, जिससे मौद्रिक नीति को विकास समर्थन देने के लिए पर्याप्त गुंजाइश मिली है। मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता को मजबूत करने और सुधारों को आगे बढ़ाने से दक्षता और उत्पादकता में सुधार होगा, जो भारत की विकास गति को और सुदृढ़ करेगा।शेयर बाजार को लेकर आरबीआई की रायवित्तीय बाजारों पर ने कहा कि वर्ष के अधिकांश हिस्से में शेयर बाजारों में तेजी रही, जिसका प्रमुख कारण वैश्विक स्तर पर बिग टेक कंपनियों को लेकर आशावाद था। हालांकि, हाल के महीनों में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर चिंताओं के चलते बाजारों में कुछ हद तक जोखिम से बचने का रुख दिखा है। इसके साथ ही, उभरते बाजारों में पोर्टफोलियो निवेश की रफ्तार भी धीमी पड़ी है।

आरबीआई ने आर्थिक विकास दर को बढ़ायारिपोर्ट में 5 दिसंबर को हुई मौद्रिक नीति समिति की बैठक का हवाला देते हुए बताया गया कि 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान 50 आधार अंक बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है, जो अक्तूबर समीक्षा में 6.8 प्रतिशत था। वहीं, इसी अवधि के लिए महंगाई अनुमान को 60 आधार अंक घटाकर 2.0 प्रतिशत कर दिया गया है।नवंबर के उच्च-आवृत्ति आर्थिक संकेतकों से संकेत मिलता है कि घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं और मांग की स्थिति सुदृढ़ है। भले ही हेडलाइन महंगाई में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई, लेकिन यह निचली सहनशीलता सीमा से नीचे ही रही। वित्तीय परिस्थितियां अनुकूल बनी रहीं और वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण प्रवाह स्थिर रहा।चालू खाता घाटा पिछले वर्ष की तुलना में कम हुआ ने यह भी कहा कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम हुआ है। इसके पीछे वस्तु व्यापार घाटे में कमी, सेवाओं के निर्यात में मजबूती और प्रवासी भारतीयों से मिलने वाले रेमिटेंस का मजबूत बने रहना प्रमुख कारण रहा। कुल मिलाकर, रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि भारत वैश्विक चुनौतियों के बीच भी मजबूत आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में है। रिपोर्ट में 5 दिसंबर को हुई मौद्रिक नीति समिति की बैठक का हवाला देते हुए बताया गया कि 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान 50 आधार अंक बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है, जो अक्तूबर समीक्षा में 6.8 प्रतिशत था। वहीं, इसी अवधि के लिए महंगाई गया है।

डिलीवरी वर्कर्स ने किया देशव्यापी हड़ताल का ऐलान

नईदिल्ली ,26 दिसंबर (एजेंसी)। स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे बड़े प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी वर्कर्स ने 25 और 31 दिसंबर, 2025 को पूरे देश में हड़ताल का ऐलान किया है। यूनियनों का कहना है कि गिग इकॉनमी में काम करने वालों की हालत लगातार खराब हो रही है। इस हड़ताल से फूड डिलीवरी और ई-कॉमर्स कंपनियों पर दबाव बढ़ने की उम्मीद है, खासकर त्योहारों के व्यस्त समय में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। यूनियनों के अनुसार, डिलीवरी वर्कर्स घटती कमाई, लंबे और

अनिश्चित काम के घंटे तथा असुरक्षित डिलीवरी टारगेट जैसे मुद्दों से परेशान हैं। उनका कहना है कि बिना वजह आईडी ब्लॉक कर दी जाती है और सोशल सिक्योरिटी या वेलफेयर सुविधाएं भी नहीं मिलतीं। वर्कर्स पारदर्शी सैलरी सिस्टम, तय काम का बंटवारा और जरूरी आराम के ब्रेक की मांग कर रहे हैं, ताकि काम के दौरान उनकी सुरक्षा और सम्मान बना रहे। डिलीवरी वर्कर्स की मांग है कि 10 मिनट जैसी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी व्यवस्था को हटाया जाए, क्योंकि इससे जान का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा, बेहतर एक्सीडेंट इंश्योरेंस, सेफ्टी गियर, हेल्थ कवर और पेंशन जैसी सुविधाएं देने की मांग की गई है। यूनियनों का आरोप है कि ऐप्स के जरिए एल्गोरिदमिक कंट्रोल बढ़ गया है, जिससे सारा जोखिम वर्कर्स पर डाल दिया जाता है और कंपनियां जिम्मेदारी से बच रही हैं। यूनियन सरकार से मांग कर रही हैं कि प्लेटफॉर्म कंपनियों को रेगुलेट किया जाए और गिग वर्कर्स को कानूनी सुरक्षा मिले। हाल ही में लागू सोशल सिक्योरिटी कोड के तहत कंपनियों से योगदान की बात कही गई है, लेकिन यूनियनों का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है। उनका मानना है कि न्यूनतम कमाई, काम की सुरक्षा और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकार के बिना गिग वर्कर्स की स्थिति में असली सुधार नहीं होगा।

जेप्टो गोपनीय तरीके से आईपीओ का ड्राफ्ट कर सकती है फाइल

नईदिल्ली ,26 दिसंबर (एजेंसी)। क्विक कॉमर्स स्टार्टअप जेप्टो 26 दिसंबर को अपने आईपीओ के लिए गोपनीय तरीके से अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस यानी डीआरएचपी प्री-फाइल करने की तैयारी में है।रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अगले साल शेयर बाजार में लिस्ट हो सकती है। 2020 में शुरू हुई बेंगलुरु की यह कंपनी स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होने वाली सबसे युवा यूनिकॉर्न कंपनियों में शामिल हो सकती है।

हालांकि, कंपनी ने इस पर आधिकारिक बयान नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक, जेप्टो की प्री-फाइलिंग से जुड़ा काम पूरा हो चुका है और 26 दिसंबर को स्टेकहोल्डर्स को इसकी जानकारी दी जा सकती है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक रहा, तो जेप्टो 2026 में पब्लिक हो सकती है। इससे पहले मामाअर्थ की पेरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर करीब 7 साल में लिस्ट हुई थी। जेप्टो की तेज ग्रोथ और कम समय में यूनिकॉर्न बनना इसे खास बनाता है।जेप्टो के लिस्ट होने के बाद क्विक कॉमर्स सेक्टर में 3 बड़ी कंपनियां पब्लिक मार्केट में आमने-सामने होंगी। ब्लिंकिट की पेरेंट कंपनी इटरनल और स्विगी पहले ही शेयर बाजार में मौजूद हैं। इटरनल का मार्केट कैप करीब 30 अरब डॉलर (लगभग 2,700 अरब रुपये) और स्विगी का करीब 12 अरब डॉलर (लगभग 1,100 अरब रुपये) है। जेप्टो का आईपीओ इस सेक्टर के लिए अहम माना जा रहा है, जो कुछ साल पहले तक भारत में मौजूद ही नहीं था। रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकिट, स्विगी और जेप्टो ने पिछले 9 से 11 महीनों में मिलकर करीब 9,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया है। इस नुकसान के बावजूद तीनों कंपनियों के पास वर्तमान में मजबूत कैश रिजर्व है। लिस्टिंग के बाद इटरनल और स्विगी ने बड़े क्यूआईपी के जरिए फंड जुटाया था। कुल मिलाकर ये कंपनियां 40,000 करोड़ रुपये से ज्यादा कैश के साथ मार्केट में मजबूती से टिकी हुई हैं।

नन्हें हाथों से लेकर हजारों श्रद्धालुओं तक हर हाथ में श्रद्धा के रंग

राम नाम लेखन महायज्ञ से घर-घर उजियारा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में इन दिनों आस्था, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा की एक अनुपम लहर बह रही है। दिसंबर से शुरू हुआ राम नाम लेखन महायज्ञ कोरबा के विविध क्षेत्रों में जन-जन को जोड़ते हुए सामाजिक - सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा दे रहा है। 3करोड़33लाख राम नाम लिखने के लक्ष्य के साथ प्रारम्भ हुआ यह अभियान 3 लाख से अधिक परिवारों की सहभागिता सुनिश्चित कर प्रदेश में एकत्रित स्वर में सजे-सजाए आश्रय बन चुका है। महायज्ञ के अंतर्गत विशेष राम नाम लेखन पत्रिका वितरित की गई, जिनका विधिवत पूजन कर प्रत्येक घर-घर में राम नाम लिखे जा रहे हैं। ये पत्रिकाएं न केवल लेखन को प्रेरित करती हैं, बल्कि श्रद्धालुओं को धार्मिक और सामाजिक समरसता के प्रति सजग बनाती हैं प्रत्येक पत्रिका में राम नाम के लिये निर्धारित स्थान, विशेष मंत्र एवं लिखने के नियम स्पष्ट रूप से अंकित हैं, जिससे घर-घर में लिखी गयी सामग्री का मानकीकरण संभव हुआ। समापन समारोह में सामूहिक राम नाम महायज्ञ और राम-खिचड़ी प्रसाद का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु एकत्रित होकर जय श्री राम का उच्चारण करेंगे, जबकि तैयार की गई खिचड़ी को सभी में प्रसाद रूप से वितरित किया जाएगा। यह दृश्य आध्यात्मिक ऊर्जा को सामाजिक समरसता के साथ मिलाते हुए, एक सशक्त संदेश प्रसारित करेगा कि आध्यात्मिक साधना केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक भी होनी चाहिए। इस महायज्ञ में नन्हें हाथ भी सक्रिय हैं। बच्चों ने कहा कि राम नाम लिखना, राम नाम जप के समान है और यह उनका छोटा-सा योगदान है, ठीक वैसे ही जैसे सेतु निर्माण के समय एक छोटी गिलहरी ने प्रभु श्रीराम के कार्य में अपना योगदान दिया था। बच्चों की इस सहभागिता ने अभियान को भावनात्मक ऊंचाई प्रदान की और संस्कारों की निरंतरता का भरोसा जगाया। एक बच्चे ने बताया कि मैं अपने हाथ से राम नाम लिखकर भगवान को अपना सम्मान दे रहा हूं, यह मेरे लिए एक बड़े कार्य जैसा है।

आस्था के साथ सहभागिता का जीवंत उदाहरण

लोगों ने कहा कि राम नाम लेखन महायज्ञ केवल लेखन कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक साधना है जो परिवार, समाज और राष्ट्र को संस्कारों की डोर से जोड़ती है। कोरबा में यह पहल आस्था के साथ-साथ अनुशासन, सहभागिता और सेवा का जीवंत उदाहरण बनकर उभरी है। इस पहल के माध्यम से स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और आम जनता के बीच सहयोगी भावना मजबूत हुई है, जिससे प्रदेश में शांति, सद्भाव और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के बीज गहराई से बोए जा रहे हैं।

तेज रफ्तार का कहर, दो अलग अलग घटना में बाल बाल बचे लोग

ट्रेलर ने बाइक सवार को रौंदा, दोनों घटना में पहिए के बीच से निकले बाइक सवार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। पहली घटना बालको थाना अंतर्गत दर्री मुख्य मार्ग डेम चौक के पास घटना सामने आई। जहाँ एक तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने दो बाइक सवार को अपनी चपेट में लिया। एक मोपेड सवार मछली लेकर बेचने के लिए जा रहा था। ट्रेलर ने उसे ठोकर मारते हुए बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया, जहां इस हादसे में दोनों बाल बाल बच गए। मोपेड सवार ने बताया कि वह बालको का रहने वाला है। गुरुवार की सुबह मछली बेचने जा रहा था। इस दौरान लापरवाह ट्रेलर चालक ने उसे ठोकर मारा। मोपेड ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गया और वह दोनों पहिए के नीचे गिर गया, जहां ट्रेलर उसके ऊपर से पर होकर गुजर गया। किसी तरह उसकी जान बच गई। पहिए के नीचे आने से उसकी जान जा सकती थी। वहीं बाइक सवार हेलमेट पहना हुआ था, जो ट्रेलर की चपेट में आने से दूर जा गिरा। इस घटना के बाद राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और घायलों को किसी तरह अस्पताल के लिए रवाना किया गया।

दूसरी घटना उरगा थाना इलाके की है। कनकी के पास बोरवेल वाहन ने बाइक सवार एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया, जहां पहिए के नीचे बाइक आने से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं युवक पहिए के नीचे आ गया था किसी तरह चालक ने ब्रेक मारी और उसकी जान बच गई। नहीं तो युवक की भी मौत हो सकती थी। घायल युवक पंतोरा का रहने वाला है। कोरबा काम से आया हुआ था और घर वापस लौट रहा था। इस दौरान यह घटना सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए घायल को पहले अस्पताल के लिए रवाना किया फिर आगे की कार्रवाई की गई।

मधुमक्खियों ने किया हमला, मची अफरा तफरी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर के व्यस्त क्षेत्र सीतामढ़ी मुख्य मार्ग में शुक्रवार सुबह करीब 11-11:30 बजे उस वक्त अफरा- तफरी का माहौल निर्मित हो गया जब यहां मधुमक्खियां हमलावर होने लगीं। सीतामढ़ी मुख्य मार्ग में चंडिका मंदिर के सामने जहां हटरी लगता है, वहां एक पुराने पेड़ पर मधुमक्खियों ने अपना छत्ता बना लिया है। सुबह के वक्त जब लोग अपने-अपने कामकाज में व्यस्त थे और आवाजाही जारी थी, तब मधुमक्खियां झुंड में आकर लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए लोग इधर-उधर भागने लगे। दुकानदारों ने अपने दरवाजे बंद कर लिए लोग बचने के लिए जगह तलाशते रहे। लगभग 15 से 20 मिनट तक यह हालात बने रहे और लोगों में भय उत्पन्न हो गया।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह छत्ता आम लोगों की पहुंच से दूर और निकालना आसान नहीं है। वन विभाग को चाहिए कि इस छत्ते को किसी जानकार के जरिए यहां से हटवाया जाए ताकि जान माल की सुरक्षा हो सके।

कैंप में कैडेट्स को सीखे फायर फाइटिंग के तरीके

वन सीजी एनसीसी बटालियन का चल रहा वार्षिक प्रशिक्षण शिविर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वन सीजी एनसीसी बटालियन द्वारा वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में आयोजित किया जा रहा है। शिविर का समापन 28 दिसंबर को होगा। कैंप कमांडेंड कर्नल सेंथिल कुमार एस के नेतृत्व में निरंतर प्रात: सैन्य विषय के प्रशिक्षण अंतर्गत शस्त्र प्रशिक्षण, फायरिंग, नेवीगेशन, टेंट पिंचिंग, कवायद (ड्रिल), मैप रीडिंग आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के मोटिवेशनल व सुरक्षात्मक व्याख्यान कैडेट्स को दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शिविर के दौरान इप्का कोरबा से आए फायर फाइटिंग टीम के सदस्यों फायर मैन सुनील कश्यप, प्रेम लहरे, मानसिंह ध्रुव, सोनुराम साहू, ग्रिजेश व प्रेमलाल साहू द्वारा कैडेट्स को सर्वप्रथम किसी भी प्रकार की आगजनी की घटना के समय सबसे पहले 101 नंबर डायल करने की सलाह दी तथा आग के प्रकार बताकर विभिन्न प्रकार की आगजनी की घटना के समय प्रयोग की जाने वाली सही अग्निशमन सामग्री जैसे पानी, ठोस कार्बन डाई आक्साइड आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण अमले ने इस दौरान विभिन्न सुरक्षा उपकरणों की भी विस्तृत जानकारी कैडेट्स को दी। उनके द्वारा बताया गया कि आग लगने पर घटनास्थल के नजदीक भीड़ न लगने दें। इससे आपातकालीन अग्निशमन सेवा और बचाव कार्य में बाधा होती है। यदि आग आपके कपड़ों में लग जाए तो भागे नहीं, इससे आग और भभकेगी, जमीन पर लेट जाए और उलट-पुलट करे या कंबल, कोट या भारी कपड़े से ढंककर आग बुझाएं। जहरीली गैस तथा धुआं सबसे पहले छत की तरफ इकट्ठा होता है, इसलिए अगर धुआं हो तो जमीन पर झुककर या लेटकर निकले। अंत में फायर फाइटिंग का डेमो भी दिया गया। कार्यक्रम का संचालन फर्स्ट ऑफिसर दिनेश चतुर्वेदी ने किया। इस दौरान कैंप कमांडेंट कर्नल सेंथिल कुमार, एडम ऑफिसर कर्नल अमित यादव, सूबेदार मेजर डूंगर सिंह, जेसीओ जनरैल सिंह, महेंद्र शर्मा, रामदेव, जितेंद्र, मुस्तफा, कैंप एडजुटेंट कैप्टन राजेंद्र सिंह, फर्स्ट ऑफिसर संजीव जायसवाल, एएनओ सुनील तिवारी, ईश्वरी सूर्यवंशी, शिवनारायण, अरुण श्रीवास, मुकलाल, भुवनेश्वर, सावन, शुभम, माया तिवारी, हेमंत सिंह, हवलदार धर्मेंद्र, पाटिल, पुष्पेंद्र, श्यामसुंदर, चेतिया सहित जेसीआई काजल जांजगीर, सरगुजा, कोरिया, पेंड्रा, बिलासपुर व कोरबा के लगभग 500 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

महिला जनप्रतिनिधियों के रिश्तेदारों को प्रतिनिधि नहीं बनाने का निर्देश

परीक्षण कराने पत्र जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगरीय निकायों में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के पारिवारिक रिश्तेदार, नातेदार को प्रॉक्सी प्रतिनिधि, लायज़न पर्सन की नियुक्ति पर रोक के लिए निर्देश जारी करने के संबंध में समस्त नगर पालिक निगम आयुक्त व समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायत को शासन ने पत्र जारी किया है।

जिसमें पुन: अवगत कराया गया है कि नगरीय प्रशासन विभाग के पत्र दिनांक 20.08.2010 द्वारा राज्य के समस्त नगरीय निकायों को कार्यों के संचालन में महिला जनप्रतिनिधियों के पारिवारिक रिश्तेदार, नातेदार के द्वारा कामकाज के संचालन के दौरान बैठक आदि में भाग नहीं लेने और न ही हस्तक्षेप करने के संबंध में निर्णय लेकर सूचित किया गया है। छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 9 एवं छ.ग. नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 19 के अनुसार सांसद/विधायकगणों द्वारा नगरीय निकायों में अपने प्रतिनिधि नियुक्त किया जाता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा प्रदेश के नगरीय निकायों में सांसद एवं विधायकगणों के द्वारा निर्वाचित महिला जनप्रतिधिनियों के पारिवारिक रिश्तेदार, नातेदार को प्राक्सी प्रतिनिधि, लायज़न पर्सन नियुक्त किये जाने पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 15(3) व अनुच्छेद 21 का उल्लंघन माना है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा उक्त के उल्लंघन के फलस्वरूप भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 207, 223 व 316 एवं मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 13 के अंतर्गत कार्यवाही का भी उल्लेख किया गया है। विभाग के संज्ञान में लाया गया है कि कतिपय नगरीय निकायों में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के पारिवारिक रिश्तेदार, नातेदार को प्राक्सी प्रतिनिधि, लायज़न पर्सन नियुक्त किया जा रहा है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देश एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 15(3) व अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होने के कारण समस्त नगरीय निकायों के आयुक्त/मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि शीघ्र अपने-अपने निकायों में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के पारिवारिक रिश्तेदार, नातेदार जो नामांकित जनप्रतिनिधि हैं, के संबंध में परीक्षण कर सांसद/विधायकगणों से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देशों के पालन के अवगत कराने एवं अन्य नामांकित जनप्रतिनिधियों की नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

वर्ष 2010 में जारी हो चुका है आदेश

इसके पूर्व में दिनांक 20 अगस्त 2010 को नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा समस्त आयुक्त नगर पालिक निगम एवं समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायत को जारी पत्र में कहा गया था कि- शासन के संज्ञान में यह बात लाई गई है कि नगरीय निकायों के कार्यों में निर्वाचित महिला पदाधिकारियों के संबंधियों द्वारा अनावश्यक हस्तक्षेप किया जाता है। नगरीय निकायों के कामकाज संचालन के दौरान बैठक आदि में महिला पदाधिकारी के कोई भी संबंधी, रिश्तेदार भाग नहीं लेंगे और न ही हस्तक्षेप व दखलंदाजी करेंगे और न ही किसी विषय पर किसी भी पदाधिकारी, कर्मियों को महिला पदाधिकारी की ओर से निर्णय लेकर सूचित करेंगे या निर्देश देंगे। उक्त निर्देशों को समस्त महिला पदाधिकारियों के ध्यान में लाया जाए। यदि इसका उल्लंघन हो तो संबंधित के विरूद्ध नगर पालिक निगम व नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही प्रस्तावित करें।

नशे के सौदागर को 5 वर्ष की सजा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अवैध नशा की घूम-घूम कर बिक्री करने वाले आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए न्यायालय ने 5-5 वर्ष के सश्रम कारावास और 50हजार-50 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा से दंडित किया है।

विगत 14 फरवरी 2024 को थाना सिविल लाईन रामपुर के सहायक उपनिरीक्षक इमरान खान को दोपहर 3:30 बजे मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि सीएसईबी निवासी अभय कुमार सिंह एक प्लास्टिक की बोरी में अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं एम्पुल इंजेक्शन को बेचने के लिए पैदल गायत्री प्रज्ञा पीठ के सामने वाली गली में पानी टंकी की तरफ आने वाला है। सूचना बाद मौके पर संदेही को पकड़कर तलाशी ली गयी। आरोपी के हाथ में रखे प्लास्टिक की बोरी से मादक पदार्थ गांजा एवं नशीले एम्पुल बरामद किये गये। आरोपी से मादक पदार्थ रखने के संबंध में दस्तावेज की मांग किये जाने पर आरोपी द्वारा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया गया। मौके पर बरामद मादक पदार्थ की जप्ती की गई। आरोपी को गिरफ्तार किया गया। विवेचना पूर्ण होने पर आरोपी के विरूद्ध अभियोग पत्र पुलिस द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियुक्त अभय कुमार सिंह के विरूद्ध धारा 20 (बी)(ii)(बी) एवं 22(बी) एन0डी0पी0एस0 एक्ट के दण्ड के प्रश्न पर उभयपक्ष को सुना गया। अभियोजन के अधिवक्ता विशेष लोक अभियोजक टीकम साव ने मजबूत पक्ष रखा कि अपराध अत्यंत गंभीर है। आरोपी अभय कुमार सिंह पूर्व में भी इसी प्रकृति के अपराध में दोषसिद्ध किया गया है तथा वर्तमान में वह केन्द्रीय जेल बिलासपुर में सजा भुगत रहा है। प्रकरण की परिस्थिति एवं अभियुक्त से जप्तशुदा मात्रा को दृष्टिगत रखते हुए अभियुक्त को न्यायालय विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) कोरबा (पीठासीन न्यायाधीश श्रीमती गरिमा शर्मा) द्वारा दंडित किया गया है। अभय कुमार सिंह पर दोषसिद्ध पाते हुए धारा 22(बी) में 5 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50,000/- रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड की राशि अदा नहीं किये जाने की दशा में आरोपी को 06 माह के सश्रम कारावास तथा धारा 20 (बी)(ii)(बी) में 5 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 50,000/- रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड की राशि अदा नहीं किये जाने की दशा में आरोपी को 06 माह के सश्रम कारावास की सजा पृथक से भुगतनी होगी। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

इंजेक्शन लगाने से पैर सुन्न, डॉक्टर पर एफआईआर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। इलाज के दौरान एक बालक को चिकित्सक ने इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगाने के कुछ देर बाद उस बालक का पैर शून्य हो गया। पैर ने काम करना बंद कर दिया। इस मामले में शिकायत के बाद कराई गई जांच के आधार पर कार्रवाई का आवेदन उपरांत पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार दीपका क्षेत्र में मरीज विकास कुमार चन्द्रा पिता अशोक कुमार चन्द्रा 12 वर्ष निवासी सोमवारी बाजार दीपका द्वारा विजय नगर दीपका के स्थानीय डाक्टर दिनेश कुमार सूरज के क्लीनिक में 26 फरवरी 2025 को ईलाज कराया गया। इलाज के दौरान इंजेक्शन लगाने से मरीज विकास कुमार चन्द्रा का दाहिना पैर शुन्य हो जाने चलने योग्य नहीं रह गया। मरीज विकास कुमार के परिजन द्वारा कलेक्टर से शिकायत करने पर एसडीएम कटघोरा द्वारा गठित जांच समिति के जांच पश्चात जांच रिपोर्ट कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी दण्ड अधिकारी, कटघोरा का पत्र प्राप्त कर डाक्टर दिनेश कुमार सूरज द्वारा बिना डाक्टरी रजिस्ट्रेशन के लापरवाही पूर्वक ईलाज करने से मरीज के दाहिना पैर से असहाय होने के संबंध में लिखित शिकायत दीपका थाना में किया गया। खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा, डॉ. रश्मि लता की रिपोर्ट पर दिनेश कुमार सूरज के विरुद्ध धारा 125(बी) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

ऑपरेशन शांति के तहत नया वर्ष प्रारम्भ होने से पूर्व पुलिस ने की 51 वारंटियों की गिरफ्तारी

15 स्थायी वारंटी भी शामिल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुलिस द्वारा जिले में कानून-व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने, आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान ऑपरेशन शांति संचालित किया जा रहा है। नववर्ष के पूर्व कार्रवाई करते हुए पुलिस ने विभिन्न थानों के कुल 51 वारंटियों को गिरफ्तार किया, जिनमें 15 स्थायी वारंटी भी शामिल हैं। ये सभी वारंटी लम्बे समय से न्यायालय द्वारा जारी वारंट के बावजूद गिरफ्तारी से बचते हुए फरार थे, जिन पर कड़ी निगरानी रखकर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की गई।

कोरबा पुलिस द्वारा संचालित ऑपरेशन शांति का मुख्य उद्देश्य जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना है। असामाजिक तत्वों एवं वारंटियों के विरुद्ध यह विशेष कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपराधिक गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत अपने नजदीकी थाने या डायल 112 पर दें। कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और अफवाहों पर ध्यान न दें। नया वर्ष शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623